वर्ष-3, अंक-233
इन्दौर, सोमवार
18 नवम्बर 2024
पृष्ठ 8, मूल्य 2 रु.

दैनिक
राष्ट्रीय जनभावना

RNI-MPHIN/2013/53761

चाणक्य नीति

चाणक्य कहते हैं कि अधिक लाड़ प्यार करने से बच्चों में अनेक दोष उत्पन्न हो जाते हैं। इसलिए यदि वे कोई गलत काम करते हैं तो उसे नजरअंदाज करके लाड़-प्यार करना उचित नहीं है। बच्चे को डाँटना भी आवश्यक है। -चाणक्य

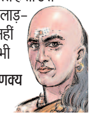

इन्दौर प्रधान संपादकः सुनील वर्मा मो.: 9425491979, 7000877686, E-mail: janbhavna.ind@gmail.com

हिंसा की आग में फिर धधकने लगा मणिपुर

सीएम के घर को भी बनाया निशाना

इंफाल (एजेंसी)। मणिपुर के कई जिलों में हिंसा के चलते हालात एक बार फिर बेकाबू हो गए हैं। जिरिबाम से मैतेई परिवार के 6 सदस्यों के अपहरण और फिर तीन शव मिलने के बाद यहां हिंसा भड़क गई। इसके बाद सात जिलों में इंटरनेट सेवा बंद कर दी गई और कर्फ्यू लगा दिया गया है।

वहीं राज्य सरकार ने केंद्र से कहा है कि मणिपुर के कुछ हिस्से में फिर से लगाया गया अफस्पा हटा लिया जाए। उग्र भीड़ ने पहले राज्य के नेताओं के घरों पर हमला किया और फिर मुख्यमंत्री के आवास की ओर भी कूच किया। हालात बिगड़ते देख सुरक्षा बलों ने प्रदर्शनकारियों को नियंत्रित करने के लिए आंसू गैस का सहारा लिया। इसके अलावा राज्य के कुछ हिस्सों में इंटरनेट सेवाएं निलंबित कर दी गई हैं। पुलिस ने कहा कि प्रदर्शनकारियों ने मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह के दामाद समेत छह में से तीन विधायकों के घरों में तोड़फोड़ की और उनकी संपत्तियों को आग लगा दी, जबकि सुरक्षा बलों ने इंफाल के विभिन्न हिस्सों में प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर करने के लिए आंसू गैस का इस्तेमाल किया। प्रदर्शनकारियों ने मणिपुर सरकार के दो मंत्रियों सपम रंजन लांफेल (भाजपा) और एल सुसिंद्रो सिंह (भाजपा) के साथ पांच विधायकों को निशाना बनाने की कोशिश की। भीड़ ने उनके घरों में आग लगा दी। इन विधायकों में एस कुंजाकेसर, आरके इमो और केएच जॉयकिसन शामिल हैं। दुकानों में आग लगा दी गई और वाहनों को फूंक दिया गया। मामले के जानकारों के मुताबिक मणिपुर के कई अहम मार्गों को जाम कर दिया गया जिससे आवागमन भी बाधित हो गया। रिपोर्ट यह भी है कि मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह के निजी आवास को भी शनिवार रात आग लगा दी गई। इन हालात को देखते हुए इंफाल वेस्ट डिस्ट्रिक्ट मजिस्ट्रेट थ किरनकुमार और इंफाल ईस्ट डिस्ट्रिक्ट मजिस्ट्रेट खुमांथम दियाना ने पूर्वी इँफाल और पश्चिमी इंफाल के दो इलाकों में कर्फ्यू लगा दिया। बता दें कि कुछ दिन पहले ही यहां से कर्फ्यू हटाया गया था। आदेश में कहा गया कि बिगड़ती कानून व्यवस्था को देखते हुए कर्फ्यू हटाने का आदेश वापस लिया जाता है। 16 नवंबर से एक बार फिर यहां कर्फ्यू लगाने का आदेश दिया जाता है।

हिंसा के बीच शाह महाराष्ट्र की रैली रद्द

मणिपुर में एक बार फिर हिंसा का दौर शुरु हो गया है। राज्य में हालात बेकाबू होते दिखे हैं। इसे देखते हुए रविवार को केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने महाराष्ट्र के विदर्भ की सभी चुनावी रैलियां रद्द कर दिल्ली वापस आ गए हैं। यहां नागपुर से केंद्रीय गृह मंत्री शाह . दिल्ली पहुंचे वहीं, सीआरपीएफ के महानिदेशक अनीश दयाल को मणिपुर के लिए रवाना कर दिया गया। यहां बताते चलें कि मणिपुर में शनिवार शाम से हालात बिगड़ने शुरु हुए, जबकि भीड़ ने सीएम आवास को घेरा और अंदर घुसने की कोशिश की।

डीआरडीओ ने किया हाइपरसोनिक मिसाइल का परीक्षण

भुवनेश्वर (एजेंसी)।

डीआरडीओ ने अपनी लंबी दूरी की हाइपरसोनिक मिसाइल का सफलतापूर्वक उड़ान का परीक्षण किया है। इस हाइपरसोनिक मिसाइल को भारतीय सशस्त्र बलों की सभी सेवाओं के लिए 1500 किमी से अधिक दूरी तक विभिन्न पेलोड ले जाने के लिए डिजाइन किया गया है। इस मिसाइल को विभिन्न डोमेन में तैनात विभिन्न रेंज प्रणालियों द्वारा ट्रैक किया गया था। डाउन रेंज जहाज स्टेशनों से प्राप्त उड़ान डेटा ने सफल टर्मिनल युद्धाभ्यास और उच्च सटीकता के साथ प्रभाव की पुष्टि की। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इस उपलब्धि की सराहना की है। उन्होंने इसे देश के लिए ऐतिहासिक क्षण बताया।

इसके साथ ही उन्होंने इस ऐतिहासिक सफलता में असाधारण योगदान के लिए डीआरडीओ की टीम, सशस्त्र बलों और उद्योग भागीदारों को बधाई दी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा, भारत ने डॉ एपीजे अब्दुल कलाम द्वीप से लंबी दूरी की हाइपरसोनिक मिसाइल का सफलतापूर्वक उड़ान परीक्षण करके एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है।

ट्रंप की कैबिनेट पर सवाल

कोई यौन दुराचार में फंसा तो कोई ड्रग मामले में घिरा

वॉशिंगटन (एजेंसी)। नवनिर्वाचित अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की कैबिनेट को लेकर विवाद बढ़ने लगा है। वजह ये है कि कोई नाबालिग के यौन शोषण में फंसा हुआ है तो कोई ड्रग के कारोबार से जुड़ा रहा है। ऐसे में ट्रंप के कैबिनेट पर विरोधी लगातार सवाल उठा रहे हैं। ट्रंप के नामित उम्मीदवार मैट गेट्ज, जिन्हें अटॉर्नी जनरल बनाया जा रहा है, यौन दुराचार और ड्रग के इस्तेमाल के आरोपों के चलते चर्चा में हैं। गेट्ज के खिलाफ नाबालिग लड़की के साथ संबंध बनाने का गंभीर आरोप है, जिसे वह खारिज कर चुके हैं।इसके अलावा, उनकी प्रशासनिक योग्यता और अनुभव पर भी सवाल उठ रहे हैं। रिपब्लिकन पार्टी के कई वरिष्ठ नेताओं और सीनेटरों ने गेट्ज की नियुक्ति पर नाराजगी जाहिर की है। सीनेट में उनकी नियुक्ति को मंजूरी देने के लिए 51 वोटों की आवश्यकता है, लेकिन पार्टी के भीतर से ही विरोध बढ़ता जा रहा है। इसके बावजूद, ट्रंप ने गेट्ज का समर्थन करते हुए उन्हें अपनी कैबिनेट का सबसे अहम सदस्य बताया है। गेट्ज जिस विभाग का नेतृत्व करेंगे, उसमें 40 से अधिक एजेंसियां और 1.15 लाख से ज्यादा कर्मचारी हैं। ट्रंप प्रशासन की अन्य प्रमुख नियुक्तियां भी विवादों में घिर गई हैं।

झांसी मेडिकल कॉलेज अग्निकांडः मृतक शिशुओं की संख्या बढ़कर हुई 11

झांसी (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के झांसी स्थित महारानी लक्ष्मीबाई मेडिकल कॉलेज में नवजात शिशु गहन चिकित्सा केंद्र (एनआईसीयू) में हुए भीषण अग्निकांड में मरने वाले शिशुओं की संख्या बढ़कर 11 हो गयी है। अस्पताल प्रशासन की ओर से दी गयी जानकारी के अनुसार जिन बच्चों का इलाज इमरजेंसी आईसीयू में चल रहा था उनमें से एक की आज इलाज के दौरान मौत हो गयी। बताया गया कि इस शिशु की मृत्यु जलने या झुलसने के कारण नही बल्कि सामान्य बीमारी के कारण हुई है। शुक्रवार देर रात हुए इस दुखद हादसे में 10 शिशुओं की मौत हो गयी थी और प्रशासन तथा अस्पताल प्रशासन द्वारा दी गयी।

दिल्ली बनी गैस चेंबर दम घोंट रही हवा

कई इलाकों में एक्यूआई 400 पार

नई दिल्ली (एजेंसी)।

दिल्ली की वायु गुणवत्ता और खराब हो गई। यहां तक कि राजधानी के कई इलाके 'गंभीर श्रेणी' में पहुंच गए। वहीं अधिकारियों ने चरणबद्ध प्रतिक्रिया कार्य योजना (जीआरएपी) के तीसरे चरण के तहत प्रदूषण नियंत्रण उपायों के पहले दिन करीब 5।85 करोड़ रुपए का जुर्माना लगाकर अपनी कार्रवाई तेज कर दी। जानकारी के मुताबिक शनिवार को देश की राजधानी दिल्ली का एक्यूआई 4.7 पर पहुंच गया। शुक्रवार को यह 396 था। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के अनुसार, गंभीर श्रेणी की वायु गुणवत्ता स्वस्थ व्यक्तियों के लिए खतरा पैदा करती है और मौजूदा स्वास्थ्य समस्याओं से ग्रस्त लोगों पर गंभीर प्रभाव डालती है। दिल्ली के 39 निगरानी स्टेशनों में से सीपीसीबी द्वारा साझा किए गए आंकड़ों के अनुसार श्री अरबिंदो मार्ग को छोड़कर सभी स्थानों पर वायु गुणवत्ता 'गंभीर श्रेणी' में थी, जिसमें एक्यूआई का स्तर 400 से ऊपर था। शुक्रवार को जीआरएपी के तीसरे चरण के तहत प्रतिबंध लागू होने के बाद अधिकारियों ने नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कार्रवाई तेज कर दी है। यातायात पुलिस, परिवहन विभाग और अन्य टीमें भी नियमों का उल्लंघन करने वालों को दंडित रही हैं। दिल्ली यातायात पुलिस ने शुक्रवार को बीएस 3 पेट्रोल और बीएस 4 डीजल वाहनों की आवाजाही पर प्रतिबंध के उल्लंघन के लिए लगभग 550 चालान जारी किए। जिसमें जीआरएपी के तीसरे चरण के तहत प्रतिबंधों के पहले दिन एक करोड़ रुपए से अधिक का जुर्माना लगाया गया। कश्मीरी गेट अंतरराज्यीय बस टर्मिनल पर बसों के निरीक्षण के दौरान दिल्ली के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने आरोप लगाया कि बीजेपी शासित पड़ोसी राज्य प्रतिबंध के बावजूद बीएस-4 डीजल बसें भेजकर राजधानी में वायु प्रदूषण बढ़ा रहे हैं।

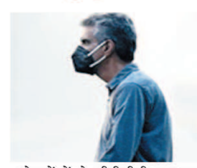

पाकिस्तान में पलूशन की वजह से करीब 20 लाख लोग बीमार

लाहौर (एजेंसी)। पाकिस्तान के पंजाब सूबे में एयर पलूशन ने गंभीर संकट पैदा कर दिया है। इसका सबसे ज्यादा असर लाहौर में दिख रहा है। पाकिस्तान के स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, पलूशन की वजह से करीब 20 लाख लोग बीमार हो चुके हैं, जिसमें 12 लाख लोग सिर्फ लाहौर और उसके आसपास के इलाकों के निवासी हैं। यह आंकड़ा उन लोगों का है जो अस्पतालों में इलाज के लिए पहुंचे हैं। इन लोगों में से अधिकांश को सांस लेने में दिक्कत, छाती में जकड़न और अन्य सांस संबंधी समस्याओं का सामना हो रहा है। लाहौर में एयर क्वॉलिटी इंडेक्स (एक्यूआई) 1000 के पार चला गया है। हालात इतने खराब हैं कि लाहौर में सरकार ने लोगों को घरों में रहने की सलाह दी है और केवल जरूरी काम से बाहर निकलने को कहा है। इसके अलावा, मुल्तान में भी पलूशन का स्तर अत्यधिक बढ़ गया है, जहां दो बार एयर क्वॉलिटी इंडेक्स 2000 के पार हो चुका। जानकारों के अनुसार, बीते साल के मुकाबले इस बार लाहौर में पलूशन का स्तर 23 फीसदी ज्यादा हो गया है। इसके कारण सांस की समस्याओं के साथ-साथ मानसिक विकार भी उत्पन्न हो रहे हैं।

मिस यूनिवर्स 2024 का ताज डेनमार्क की विक्टोरिया कजेर के सिर पर सजा

लंदन। मिस यूनिवर्स 2024 की घोषणा हो चुकी है, और इस बार की विजेता मिस डेनमार्क बनी हैं। यह प्रतिष्ठित सौंदर्य प्रतियोगिता का 73वां संस्करण था, जो मैक्सिको सिटी, मैक्सिको में एरिना सीडीएमएक्स में आयोजित हुआ। प्रतियोगिता में इस वर्ष 125 देशों की सुंदरियों ने भाग लिया, और मिस डेनमार्क ने मिस यूनिवर्स का ताज जीतने में सफलता हासिल की।

फिलीपींस में आपदा का कहर

250 की रफ्तार से टकराया टाइफून, बिजली-पानी सब बंद, 5 लाख लोग बेघर

कैटन डुआन (एजेंसी)। प्रशांत महासागर के द्वीप देश फिलीपींस को एक बार फिर भीषण प्राकृतिक आपदा का सामना करना पड़ा है। शनिवार को सुपर टाइफून मैन-यी ने देश के दक्षिणी हिस्से में 260 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से टकराते हुए भारी तबाही मचाई। इस विनाशकारी तूफान ने 5 लाख से अधिक लोगों को प्रभावित किया, जिनमें से अधिकांश को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचा दिया गया है। टाइफून के कारण बिजली आपूर्ति ठप हो गई है, सड़कों पर पेड़ और मलबा बिखरा पड़ा है, और कई घर नष्ट हो गए हैं। प्रभावित क्षेत्रों में चारों ओर अंधेरा छाया हुआ है, और हजारों लोग कम्यूनिटी सेंटर में रहने को मजबूर हैं। कैटन डुआन शहर के गवर्नर ने स्थानीय लोगों से प्रार्थना करने की अपील की है और राहत सामग्री जैसे भोजन और कपड़े दान करने की आवश्यकता पर जोर दिया है।

भंयकर संकट

देश में 21 प्रतिशत माता–पिता जो नहीं चाहते बच्चे स्कूल जाकर पढ़े

देश में 43 प्रतिशत से ज्यादा लोग ने अब तक इंटरनेट का उपयोग नहीं किया

नई दिल्ली (एजेंसी)।

भारत में शिक्षा के अधिकार की स्थिति पर एक नए सर्वे ने गंभीर चिंता पैदा की हैं। नेशनल सैंपल सर्वे (एनएसएस) की हालिया रिपोर्ट के अनुसार, देश में करीब 18 प्रतिशत आबादी ऐसी है जो एक साधारण वाक्य भी ठीक से पढ़-लिख नहीं सकती। 15 साल से अधिक उम्र के 81.6 प्रतिशत लोग किसी सामान्य वाक्य को पढ़ने-लिखने में सक्षम हैं, जबकि बाकी 18 प्रतिशत से ज्यादा लोग इस श्रेणी से बाहर हैं। इसमें खासतौर पर महिलाओं की संख्या अधिक है, जहां 25 प्रतिशत महिलाएं इस स्थिति में हैं। सर्वे रिपोर्ट में बताया गया कि ग्रामीण इलाकों में यह स्थिति और भी चिंताजनक है। गांवों में रहने वाले 22 प्रतिशत लोग पढ़-लिख नहीं पाते, जबकि शहरी इलाकों में यह आंकड़ा करीब 10 प्रतिशत है। इसका मतलब यह है कि भारतीय ग्रामीण इलाकों में शिक्षा की स्थिति में सुधार की जरुरत है। यह आंकड़े उस समय सामने आए हैं जब शिक्षा मंत्रालय के अनुसार देश में 14.89 लाख स्कूल हैं, जिसमें से 12.34 लाख गांवों में स्थित हैं। सर्वे में एक और चौंकाने वाला तथ्य सामने आया है कि करीब 20 प्रतिशत भारतीयों को साधारण जोड़-घटाव भी नहीं आता। इसमें 12 प्रतिशत पुरुष और 25 प्रतिशत से अधिक महिलाएं शामिल हैं।

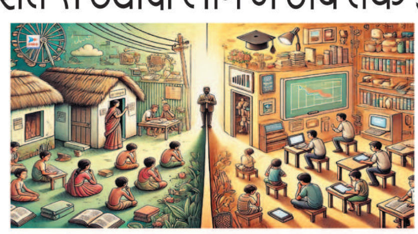

रिपोर्ट का उद्देश्य

यह सर्वे देश में शिक्षा की मौजूदा स्थिति पर गंभीर सवाल उठाता है। बच्चों के स्कूल न जाने के कारणों में 24 प्रतिशत ने यह बताया कि वे पढ़ाई नहीं करना चाहते, जबकि 21 प्रतिशत बच्चों के माता–पिता नहीं चाहते कि उनके बच्चे पढ़ाई करें। आर्थिक कारणों से स्कूल न जाने वाले बच्चों की संख्या सिर्फ 17 प्रतिशत थी, जिससे यह सिद्ध होता है कि भारत में शिक्षा के स्तर में सुधार लाने की तत्काल आवश्यकता है।

सिख गुरूओं की वाणी और उनका बलिदान अद्भुत और ऐतिहासिकः मुख्यमंत्री

भोपाल, राष्ट्रीय जनभावना। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के आग्रह पर श्री गुरू नानक जी के 555 वें प्रकाश पर्व पर मुख्यमंत्री निवास में श्री गुरूग्रंथ साहब जी का भव्य दरबार सजाया गया और लंगर की व्यवस्था की गई। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के पगड़ी धारण कर दरबार में प्रवेश करते ही सभी उपस्थित जन ने ÷जो बोले सो निहाल - सत श्री अकाल÷ के घोष के साथ पुष्प वर्षा कर उनका स्वागत किया गया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश के लगभग सभी जिलों से आए सिख समुदाय के प्रतिनिधियों से सजी संगत के बीच बैठकर गुरूवाणी के वचनों का आनंद लिया और कीर्तन में सहभागिता की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सिख गुरूओं की वाणी अद्भुत है। उन्होंने संगत और पंगत की बात कही। सिख गुरूओं ने विपरित परिस्थितियों में भी महत्वपूर्ण मार्गदर्शन दिया। उन्होंने एक मार्ग तय किया कि परमात्मा के बंदों में हम अंतर नहीं कर सकते। यहां किसी पाखंड की जगह नहीं है। इस देश के लिए सभी समान हैं। यही वेद वाक्य है। चारों वेदों का भी निचोड़ यही है कि हम परमेश्वर की सत्ता पर विश्वास रखें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मैं 10 सिख गुरूओं को प्रणाम करता हूँ। उन्होंने धर्म और आध्यात्म की परम्परा के माध्यम से सनातन संस्कृति बचाई। सिखों का बलिदान कोई भूल नहीं सकता। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने पाकिस्तान स्थित गुरू नानक जी की जन्मस्थली के दर्शन के लिए समाधान निकाला। सिख गुरूओं और 4 साहबजादों का त्याग और बलिदान इतिहास का अमिट हिस्सा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा मध्यप्रदेश के स्कूल शिक्षा के पाठ्यक्रम में कक्षा 7वीं में इस शहादत का विस्तृत उल्लेख है।

संपादकीय

छोटे कारोबारियों एवं मध्यम वर्ग की आवाज बने, राहुल गांधी

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने एक लेख लिखा है, जो कई समाचार पत्रों में प्रकाशित हुआ है। महंगाई, बेरोजगारी और आर्थिक लाभ सभी वर्गों तक पहुंचे। जिस तरह से कॉरपोरेट जगत का एकाधिकार सभी क्षेत्रों में बढ़ता जा रहा है। उसके कारण स्थानीय रोजगार, छोटे-छोटे कारोबारियों तथा लघु उत्पादन के क्षेत्र में कार्यरत छोटी एवं मध्यम इकाइयों को वर्तमान समय में जिस चुनौती का सामना करना पड़ रहा है। लेख में उन्होंने अपनी सोच प्रदर्शित की है। व्यापारिक क्षेत्र में बढ़ती असमानता की समस्या, छोटे व्यापारियों को मिल रही गंभीर चुनौतियों ने मध्यम वर्ग के अस्तित्व पर प्रश्नचिन्ह लगा दिया है। आर्थिक उदारीकरण के बाद से, बड़े कॉरपोरेट्स ने अपनी जड़ें भारत में गहरी कर ली हैं। जिसके कारण छोटे और मंझले व्यापारियों के लिए बाजार में टिके रहना मुश्किल होता जा रहा है। पिछले एक दशक में लाखों छोटे कारोबारियों ने अपना काम बंद कर दिया है। स्थानीय रोजगार बड़ी तेजी के साथ कम होता जा रहा है। पिछले दो दशक में गांव-गांव में ब्रांडेड पैक्ड फूड बिकने लगा है। अब पानी भी गांव-गांव में बिक रहा है। ऑनलाइन ब्रांडेड सामान अब गांव-गांव तक पहुंच रहा है। यह स्थिति छोटे व्यापारियों एवं स्थानीय उत्पादनकर्ताओं के हितों को बुरी तरह से प्रभावित कर रही है। उनके समक्ष प्रतिस्पर्धा में बने रहना मुश्किल हो गया है। दुग्ध उत्पादक, होटल व्यवसाय, छोटे-छोटे कारोबारी जो स्थानीय स्तर पर अपने उत्पाद तैयार करते थे, वह सब धीरे-धीरे बेरोजगार होते जा रहे हैं। बाजारबाद के चलते बड़े-बड़े कॉरपोरेट ने स्थानीय बाजारों में अपना कब्जा जमा लिया है। शहरों की बीमारियां अब गांव-गांव तक पहुंचने लगी हैं। कारोबार पर कॉर्पोरेट का एकाधिकार होता चला जा रहा है। इस बदलती हुई परिस्थितियों में लोकसभा के नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने लेख के माध्यम से अर्थव्यवस्था और भारतीय जीवन शैली को अर्थव्यवस्था के आधार के साथ-साथ रोजगार और महंगाई इत्यादि से जोड़कर उन्होंने समग्र चिंतन रखा है। राहुल गांधी छोटे एवं मध्यम स्तर के कारोबारियों एवं उद्योगों के लिए एक समान अवसर की मांग कर रहे हैं। ताकि स्थानीय स्तर पर कमजोर और मध्यम वर्ग अपनी योग्यता और परिश्रम के बल पर आगे बढ़ सकें। वर्तमान में बड़े व्यवसायिक घराने और कॉरपोरेट्स को विशेष सुविधाएं, कर रियायतें और अन्य लाभ सरकार द्वारा दिए जा रहे हैं। इसके विपरीत, छोटे एवं मध्यम वर्ग के कारोबारियों को प्रशासनिक कठिनाइयों और कानून की जटिलताओं का सामना करना पड़ रहा है। उनके पास सीमित संसाधन होते हैं। यह असमानता उनके विकास और आर्थिक आधार के अवसरों को सीमित कर रही है। इसके अलावा, डिजिटल व्यापार और ई-कॉमर्स के बढ़ते प्रभाव ने भी छोटे व्यापारियों की कठिनाइयों को बढ़ा दिया है। बड़े ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स ग्राहकों को अत्याधिक रियायतें और सुविधाएं प्रदान कर रहे हैं। रियायत देकर वह पहिले सस्ते में सामान बेचते हैं। करोड़ों रुपए का घाटा उठाते हैं, जब मार्केट में एकाधिकार हो जाता है। उसके बाद कीमतें बढ़ाकर आम आदमी का शोषण करते हैं। बड़े कारपोरेट की इस चुनौती का सामना परंपरागत कारोबारियों को नुकसान के रूप में हो रहा है।

कहानी

मुझे चैन से मरने दो

मैं आज सुबह-सुबह अपने घर के छत पर टहल रह था,तभी देखा उसरी नदी में बाढ़ आ गई है। बरसात का दिन था,नदी के उस ओर कुछ विद्यार्थी विद्यालय जाना छोड़ स्नान का आनंद लेने के लिए आए थे।मुझे अपना विद्यार्थी जीवन याद आ गई थी। नदी स्नान का आनंद इसी तरह लिया करते थे। बच्चे स्नान कर रहे थे,आनंद ले रहे थे।तभी अचानक बच्चे बचाओ-बचाओ चिल्लाने लगे।मैं हड़बड़ा गया,मुझे लगा कोई स्नान करते हुए बह गया है।तुरन्त नदी की तरफ लपका।पत्नी चिल्लाई,अजी!कहाँ जा रहे हैं जी? मैं भागते हुए बोला, नदी में कोई बच्चा बह गया है, उसे बचाने जा रहा हूँ।अरे!आप डायबिटीज के मरीज हैं,अभी नाश्ता भी नहीं किए हैं और चले बच्चा बचाने, कुछ सुनते क्यों नहीं जी?अरी! भगवान,तुम हमेशा मुझे रोकती-टोकती रहती हो।अभी किसी की जान बचाने की बात है,मुझे जाने दो....इतना बोलते-बोलते मैं निकल गया।बाहर नदी किनारे भीड़ इक्कठी हो गई थी,सभी चिल्ला रहे थे पर नदी में कूद उस बच्चे को बचाने की कोशिश कोई नहीं कर रहा था।मैंने गमछा अपने सिर पर बाँधा और छपाक से नदी में कूद गया,बच्चे को बचाने के लिए।मैं तेजी से तैरने लगा और जल्द ही बच्चे के नज़दीक पहुँच गया।पहले अपने सिर पर बाँधे गमछे को उसे पकड़ने के लिए दिया,बोला, बेटा परेशान मत हो,मैं आ गया हूँ तुझे कुछ न होने दूँगा तुम देश के भविष्य हो,डरना मत।पर बच्चा हताश हो गया था बहुत पानी पी चुका था।मैं उसके नजदीक जा उसे अपने पीठ पर ले लिया और तैरते हुए किनारे की तरफ जाने लगा।बच्चा डरा हुआ था उसने जोर से मेरी गर्दन को पकड़ कर खुद को बचाने लगा।किनारा दूर होने की वजह से तथा अधिक तैरने की वजह से मैं बहुत थक चुका था।आगे रेलवे पुल के पास लोगों ने हम दोनों को निकाला।बच्चा बच गया था और मैं लाश बन चुका था। आँगन में मेरी लाश रखी गई।पत्नी रो-रोकर कह रही थी,अगर आप मेरी बात मान लिए होते तो आज मैं विधवा नहीं होती।हे!भगवान आपने मेरे साथ यह क्या किया? पत्नी की चीत्कार सुनकर मुझसे मरा नहीं जा रहा था।मैं कुछ देर के लिए उठा और कहा,अरी भाग्यवान कम-से-कम अब तो मुझे चैन से मरने दो।मैंने किसी की जान बचाकर खुद को मुक्त किया है, अब तुम भी मुझे मुक्त करो।और मैं पुनः मर गया।

महेश अमन
रंगकर्मी सह कवि
गिरिडीह झारखण्ड

कहानी

बोझ

शाम के छह बज चुके थे। अरुण कार्यालय से घर लौट आए थे। उन्होंने डोरबेल बजाई। मधु ने गेट खोला। मधु के चेहरे पर उदासी के बादल छाए हुए थे। अरुण को समझते देर नहीं लगी कि आज फिर पिता जी की वजह से मधु परेशान हो गई। उसने अपनी बात की पुष्टि करने के लिए मधु से पूछा,क्या हुआ?

कुछ नहीं मधु ने पानी का गिलास अरुण को पकड़ाते हुए कहा।

फिर किस लिए मुंह फुलाए हुए हो?शादी से पहले तो कहते थे कि रानी बनाकर रखूंगा। मूर्ख थी मैं जो तुम्हारी बातों में आ गई। नौकरानी बनाकर रख दिया तुमने मुझे यहां पर। घर गृहस्थी में छोटी मोटी समस्याएं तो आती ही हैं मधु। उनसे इतना भी क्या घबराना? छोटी मोटीज.? यह तुम्हारा बाप बैठा है न जो, यह छोटी मोटी समस्या लगता है तुम्हें? एक तो घर का काम ऊपर से इसका बार बार कहना-बहू यह बना दे। बहू वो बना दे। मैं तो तंग आ चुकी हूं इसकी फरमाइशों से। बस अब और बर्दाश्त करने की हिम्मत नहीं मुझमें। अब तो या वह घर में रहेंगे या मैं। क्या तुम्हारा बापज तुम्हारा बाप लगा रखा है। तुम्हारे भी तो कुछ लगते होंगे। हां, लगते हैं ज. दुश्मन।

मधु ! तुम समझ नहीं रही। बाबूजी की चालीस हजार पेंशन आ रही है। जबकि मुझे तो पचास हजार ही मिलते हैं। घर का सारा खर्च निकाल कर भी हम बाबूजी की पेंशन से लगभग दस हजार तो बचा ही लेते हैं। फिर यह मकान और दुकान सब पिता जी के नाम पर ही हैं। दुकान का पांच हजार किराया आता है वह भी बाबूजी की ही आमदनी का हिस्सा है। यह बात और है कि उन्होंने अपनी वसीयत में सारी चल अचल संपत्ति मेरे नाम कर रखी है। परन्तु वह सब हमें बाबूजी के जाने के बाद ही मिल सकती है।

मैंने शादी आपके साथ की है। आपके बाबूजी से नहीं। मुझे नहीं चाहिए इनसे फूटी कौड़ी। मैं तो आपसे मांगूंगी। हां, ख्वाहिशें तो तुम्हारी अमीरों वाली हैं। घर में बड़े बुजुर्ग की थोड़ी भी सेवा करनी पड़ जाए तो वह तुमसे होती नहीं। क्या दे दिया तुमने मुझे? कौन से महलों में बिठा रखा है? बोल तो ऐसे रहे हो जैसे मेरे आगे पीछे नौकरों की फौज लगा रखी हो। थोड़ा रुककर फिर बोली, वसीयत तुम्हारे नाम है। पेंशन तुम लेकर आते हो। पेंशन का मैसेज तुम्हारे फोन पर आता है। साल में एक बार इन्हें लाइव सर्टिफिकेट देना होता है। उसका इंतजाम तो तुम कैसे भी कर लोगे? फिर इनको किसी रात वृद्धाश्रम में क्यों नहीं छोड़ आते? वृद्धाश्रमज.? वृद्धाश्रम में वो जाते हैं जिनका इस दुनिया में कोई नहीं होता? तुम्हें तो घर की चहारदीवारी से बाहर नहीं झांकना। मुझे तो समाज को भी मुंह दिखाना है। समाज क्या इन्हें रोटी बनाकर देता है? ये अपनी नई नई फरमाइशें समाज के आगे रखते हैं क्या? ये मुझ अकेली को घर में कितना परेशान करते हैं, समाज को थोड़े ही नजर आएगा? यही बात मैं तुम्हें समझा रहा हूं। बाबूजी अपनी उम्र के आखिरी पड़ाव पर हैं। इस समय हमें इनकी सेवा जी जान से करनी चाहिए। कौन जाने कितने दिन के मेहमान हैं बाबूजी? उनका तो पता नहीं पर यदि वह इस घर में रहे तो मैं इस घर में नहीं रहूंगी। तो क्या करूं मैंज? कहा तो हैज्चुपचाप किसी वृद्धाश्रम में छोड़ आओ। कह देंगे, सैर पर निकले थे। वापस आए नहीं। दो चार दिन ढूंढने का उपक्रम करेंगे। फिर आराम से अपनी जिंदगी को एंजॉय करेंगे। सांप भी मर जाएगा और लाठी भी न टूटेगी।

क्या ऐसा करना ठीक रहेगा? यदि तुम्हारे मायके में तुम्हारे भाई भाभी तुम्हारे मां - बाप के साथ ऐसा करें तो तुम्हें अच्छा लगेगा।

इस बूढ़े खूंसट की तुलना तुम मेरे मां बाप से कर रहे हो? कहां वे और कहां यह? तुम्हें अपना घर बर्बाद करना है तो करो। मैं जा रही हूं अपने मायके। तुम संभालो बच्चों को और अपने बाप को भी। मिन्नतें करोगे तब भी वापस नहीं आऊंगी। जहर खाकर अपनी जान दे दूंगी। तुझे और तेरे इस बाप को जेल की चक्की न पिसवा दी तो मधु मेरा नाम नहीं।

एक स्त्री के तूणीर में कई बाण होते हैं। कौन सा बाण कहां काम कर जाए, यह तो वह भी ठीक ठीक नहीं जान पाती। एक पुरुष के लिए घर का बिखराव सबसे बड़ी सजा होती है। वह अंतिम क्षणों तक अपने घर को टूटने से बचाने का प्रयास करता है। अपने पिता की कीमत पर अरुण ने न चाहते हुए भी पिता को वृद्धाश्रम छोड़ आने का फैसला कर लिया। वह जानता था यदि वह ऐसा नहीं करेगा तो उसका और उसके दो छोटे छोटे बच्चों का भविष्य बर्बाद हो जाएगा।

उन दोनों के बीच का वार्तालाप साफ साफ सुनते हुए अरुण के पिता गिरधारीलाल की आंखों से आंसू बह निकले। उन्होंने मन ही मन घर छोड़ने का निश्चय कर लिया। जिस बेटे के होंठों पर कोई ख्वाहिश आते ही वह पूरा कर देते थे। आज वह अपने उस बेटे को अपने सामने शर्मिंदा नहीं देख सकते थे। एक दादा अपने पोते पोती को सबसे ज्यादा प्यार करता है। जबसे अरुण की मां का स्वर्गवास हुआ तो ये दोनों छोटे बच्चे ही गिरधारीलाल के जीवन की डोर बने हुए थे। उसके इस घर से निकल जाने के बाद वह इनसे कभी नहीं मिल पाएगा, यह सोच कर ही उसका कलेजा मुंह को आ रहा था। वह रात को अकसर कम ही भोजन किया करता था। क्योंकि बहू दोपहर को सुबह का बासी भोजन उसे परोस दिया करती थी और रात को अरुण अपने हाथों से अपने बाबूजी के लिए खाना लेकर आता था। उसने बहू के विषय में कभी भी अरुण से कोई शिकायत नहीं की थी। बहू ने जिस तरह से बढ़ा चढ़ा कर अरुण के कान भरे वैसा तो उसने कभी किया ही नहीं। अकसर कभी कभी उसे चाय की तलब लग जाया करती थी तो वह चाय के लिए बहू को जरूर बोल दिया करता था।

कहते हैं कि औरत घर को स्वर्ग से सुंदर बनाती है तो वह भी औरत ही होती है जो घर को नरक से बदतर बना देती है। यह बात और है कि वह अपनी गलतियों को कभी स्वीकार नहीं करती। वह अपना मूल्यांकन स्वयं करना पसंद करती है।

अगली सुबह अरुण जब दफ्तर के लिए निकला तो गिरधारीलाल ने सुबह का खाना खाया और अपना एक छोटा सा थैला उठाया, जिसमें उसने सभी जरूरी कागज रखे हुए थे। सबसे पहले वह बैंक गया और उसने अपने अकाउंट में रखे पैसे निकाले। फिर उसने बाजार से एक मोबाइल खरीदा और उसको अपने बैंक अकाउंट के साथ रजिस्टर किया। उसने बैंक में अपने हस्ताक्षर भी बदल दिए। फिर वह तहसील में गया और अपनी पहले की गई वसीयत को रद्द कर दिया तथा नई वसीयत करने के लिए उनसे समय ले लिया। यह सब काम करने के बाद वह वृद्धाश्रम पहुंचा। उसने अपने लिए वृद्धाश्रम में रजिस्ट्रेशन किया और दस हजार रुपए वृद्धाश्रम को दान कर दिए। शाम को जैसे ही अरुण घर पहुंचा तो पिता को उसके कमरे में न पाकर मधु से पूछा, किधर गए बाबू जी।

मुझे क्या पता? वो तो सुबह ही आपके जाने के बाद खाना खाकर निकल गए। अब तक वापस नहीं आए। कहीं उन्होंने कल तुम्हारी बातें तो न सुन ली थी।

सुन ली होगी तो क्या? चलो अच्छा हुआ आपको उन्हें कहीं छोड़ने नहीं जाना पड़ा। वो अपने आप चले गए। लेकिन कहां गए होंगे? कैसे होंगे? अरे भाड़ में जाएं वो। हमने थोड़े ही कहा था उन्हें जाने के लिए।

कुछ भी हो, वो तुम्हारे कारण ही घर से निकले। ले आओ उन्हें ढूंढकर, मैं चली जाती हूं यह घर छोड़कर। तुम भी छोटी सी बात का बतंगड़ बना देती हो। अरे! अब वो चले गए तो जाने दो। उनका खाता तुम ऑपरेट कर रहे हो। उनकी वसीयत के मुताबिक उनकी सारी प्रॉपर्टी उनके बाद तुम्हारे नाम हो जाएगी। पर अभी नहीं। उनके गुम हो जाने के सात साल तक यदि उनका पता नहीं चलता तब।

ओह! इतना इंतजार और करना पड़ेगा। और नहीं तो क्या? यदि वो घर पर रहते तो शायद सात साल न भी जीते और उनकी संपत्ति हमारे नाम आ जाती। परन्तु अब हमें सात साल तक इंतजार करना पड़ेगा।

ओह नो! मेरी तो किस्मत ही खराब है। काश वो किसी रोड़ एक्सीडेंट में मारे जाएं और उनका डेथ सर्टिफिकेट बनवा कर हम उनकी संपत्ति को अपने नाम करवा लें। लेकिन फिर उनकी चालीस हजार पेंशन हमें कैसे मिल पाएगी? तुम तो जानती ही हो कि मेरी तनख्वाह केवल पचास हजार है। जिससे हमारा गुजारा बड़ी मुश्किल से चल सकता हैं। दोनों बच्चों की हर महीने की फीस ही बीस हजार है। ट्यूशन इत्यादि का खर्च और जोड़ दिया जाए तो कुल तीस हजार खर्च हो जाता है। यह तो बाबूजी की पेंशन ही है जिसके कारण हमारा गुजारा अच्छे ढंग से चल रहा है।

हे भगवान! तू हमारी इतनी परीक्षाएं क्यों ले रहा है? अगर उनकी सेवा पानी से छुटकारा मिला तो अब और कितनी अड़चनें खड़ी हो गई हैं।

हमें केवल उतना ही सोचना चाहिए जितना हमारे लिए पर्याप्त हो।

अच्छा! उनकी पेंशन का तो आपने इंतजाम कर लिया होगा। उसमें तो कोई अड़चन न आएगी।

नहीं, नहीं। वह इंतजाम पक्का है। तो ऐसा कर लो बाजार अपनी दुकान के पास एक और दुकान बिकाऊ है, उसका सौदा कर लो। लोन की किश्तें बाबूजी की पेंशन से कटवाते रहेंगे। मैं भी ऐसा ही कुछ सोच रहा था। मैने तुमसे पूछे बिना दुकान खरीदने के लिए डीलर को दो लाख पेशगी भी दे दी। बाकी हर महीने की चालीस हजार किश्त बंधवा दी। पहली बार तुमने अक्ल की कोई बात की। पर विवाह के समय फेरों पर लिया गया एक वचन भूल गए तुम कि कोई व्यापार हो या प्लॉट हो बिना मेरी सलाह के नहीं खरीदोगे।

ठीक है, अगर तुम्हें पसंद नहीं तो मैं डीलर को मना कर देता हूं।

अरेज नहीं ..नहीं। यह सौदा तो हमें काफी प्रॉफिट देकर जाएगा। देखो बाबूजी रूपी बला टलने से हमारे सब काम सिद्ध होते चले जाएंगे।

तुम क्यों बाबूजी को बीच में ले आती हो। अब तो वो यहां हैं भी नहीं। न जाने तुम्हे उनका नाम लेने से क्यों दिक्कत है?

वो जैसे भी हैं मेरे बाबूजी हैं। उनके बारे में अब तो चुप रहो। न जाने क्यों अरुण अपने बाबूजी के बारे में कुछ नहीं सुनना चाहता था। जब तक मां जिंदा थी। मां ने बाबूजी की खूब सेवा की। परन्तु मां के देहांत के पश्चात यह सारी जिम्मेदारी मधु पर आन पड़ी। बाबूजी मधु को एक आंख न सुहाते थे। इसलिए वह हर रोज बाबूजी की कोई न कोई शिकायत लेकर खड़ी रहती। बाबूजी का अरुण के सिवा था ही कौन? परन्तु मधु की जिद्द के आगे अरुण को भी घुटने टेकने पड़े। महीने की पहली तारीख को अरुण की सैलरी आए न आए बाबूजी की पेंशन जरूर आ जाती थी। अरुण कार्यालय से आते हुए एक ए टी एम में गया तो उसे पता चला कि बाबूजी का कार्ड अमान्य हो गया है। उसने दो चार बार फिर से प्रयत्न किया परंतु सब व्यर्थ। वह बैंक गया और उसने मैनेजर से इसकी जानकारी ली। तब उसे पता चला कि बाबूजी ने अपने अकाउंट को स्वयं अपने नंबर से रजिस्टर करवा लिया है। उन्होंने पहले वाले डेबिट कार्ड को ब्लॉक करवा दिया और नया डेबिट कार्ड ले लिया है। बैंकिंग ऐप भी अपने फोन में चला ली है। अरुण के पैरों के नीचे से जैसे जमीन ही खिसक गई। वह बदहवाश सा घर पहुंचा। क्या हुआ? मधु ने पूछा कुछ नहीं। अरुण ने कहा। फिर मुंह क्यों लटका हुआ है। तुम्हारे कर्मों का फल मुझे भी भुगतना पड़ेगा।

मेरे कर्मों का फलज? क्या मतलब है तुम्हारा? तुम्हारे लिए बाबूजी की दो रोटियां भारी हो रही थी। बाबूजी ने शायद उस दिन सब कुछ सुन लिया। इसलिए वो घर छोड़कर चले गए। साथ में बैंक जाकर बैंक के डेबिट कार्ड को ब्लॉक करवा दिया और अपना नया मोबाइल नंबर वहां रजिस्टर करवा दिया।

यह मकान और दुकान की वसीयत तो तुम्हारे नाम है, तुम जाकर उसे अपने नाम करवा लो।

इतना आसान है क्या? यह दो सूरत में मेरे नाम हो सकती है। एक यदि बाबूजी का मृत्यु प्रमाणपत्र मेरे पास हो जो कि संभव नहीं। दूसरे तब जब सात साल तक बाबूजी गुमशुदा हो और उनका कुछ पता न चले। यह भी संभव नहीं। क्योंकि वह ये सब सोच समझकर ही तो कर रहे हैं। तो अब क्या होगा? घर में जितना पैसा था वह दुकान खरीदने के लिए पेशगी दे दी। यदि पेंशन बाबूजी खुद लेने लगे तो दुकान की किश्त कहां से निकालेंगे? किश्त न निकली तो फिर जो दो लाख दिए हैं वे भी मारे जाएंगे। मेरी तनख्वाह में से बच्चों की फीस और घर का खर्च निकाल दें तो मुश्किल से पांच दस हजार ही बच पाएंगे। मेरी आंखों के आगे तो अंधेरा छा रहा है। आगे की राह मुझे बहुत मुश्किल नजर आ रही है। तुम्हारी बातों में आकर मैं अपने बाबूजी के खिलाफ चलने के लिए तैयार हुआ। अब तुम किसी तरह अपने मायके के जरिए इस प्रॉब्लम को सॉल्व करने की कोशिश करो।

तुम यह बात मुझे तो कह रहे हो, पर भूल से भी इसे मेरी भाभी के सामने मत कहना।

क्यों..? उन्हें बताना तो पड़ेगा कि बाबूजी हमें छोड़कर क्यों गए? क्यों उन्होंने हमसे नाता तोड़ लिया? तभी तो वो हमारी मदद कर सकेंगे।

अगर भाभी को पता चला तो कहीं वो मेरी मम्मी के साथ वैसा ही न करे जैसा हमने बाबूजी के साथ किया। मेरी मम्मी की तो वृद्धावस्था पेंशन के सिवा कोई पेंशन भी नहीं।

जब बात अपनों पर आती है तब असली दर्द पता चलता है। मुझे यहां बर्बाद करते समय मम्मी के बारे नहीं सोचा था। ज्यादा ताने दिए तो अभी जहर खाकर जान दे दूंगी। मेरे बारे में न सही तुम्हारे बाबूजी तो इतने कमीने निकले कि तुम्हारे और तुम्हारे बच्चों के बारे में भी न सोचा।

खबरदार मेरे बाबूजी को कमीना कहा। उन्होंने ये सब किया तो तुम्हारी करतूतें देखकर। मेरा भी दिमाग फिर गया था जो तुम्हारी बातों में आ गया।

देखो, मेरी बात मान लो कैसे भी हो यह घर बेच दो। जो पैसे आएंगे उनसे दुकान और कोई छोटा सा मकान खरीद लो। जरूरी नहीं कि इतना बड़ा ही मकान हो। आपस में लड़कर बात नहीं बनेगी।

कैसे बेच सकता हूं मैं यह मकान? मैं पहले ही कह चुका हूं कि यह बाबूजी के नाम है।

बड़े आए बाबूजी की माला जपने वाले। कोई चीज तुम्हारे नाम भी की है। की थी। ये सभी मेरे नाम की थी अपनी वसीयत में। परन्तु अब मुझे लगता है कि बाबूजी अपनी वसीयत ही न बदल दें।

तो किसके नाम करेंगे। कौन है उनका? वो जो उनको सहारा देंगे। उनके नाम भी तो कर सकते हैं।

पेंशन अकाउंट के झटके ने अरुण और मधु को जमीन पर पटक दिया था। वे बाबूजी के अगले कदम का कयास लगा रहे थे। परंतु पंद्रह बीस दिन निकल जाने पर भी बाबूजी की तरफ से किसी कार्रवाई का कोई संकेत नहीं मिला। अरुण किसी भी तरह बाबूजी से मिलना चाह रहा था। परंतु क्या मुंह लेकर मिले और कैसे मिले, उसे समझ नहीं आ रहा था। वह बाबूजी को बहुत प्यार करता था परन्तु मधु के आगे विवश था। वह बाबूजी की तरफदारी करता था तो मधु उसका जीना हराम कर देती। वह समझ नहीं पा रहा था कि उसे ऐसे में क्या करना चाहिए। उसे बाबूजी से अकेले में दो बात करने का मौका भी कभी नहीं मिलता था। अब जब बाबूजी इस घर को छोड़कर कहीं चले गए हैं और उन्होंने सब कुछ अपने हाथ में ले लिया है तो यह लग रहा है कि यदि उन्होंने इस घर और दुकान से भी उसे बेदखल कर दिया तो वह सड़क पर आ जाएगा। उधर वृद्धाश्रम में गिरधारी लाल जी को अपने पोता पोती की याद सताने लगी। उन छोटे छोटे बच्चों में वह अपना बचपन जी रहे थे। कई बार तो मधु बच्चों को भी उससे नहीं मिलने देती थी। परन्तु बच्चे किसी न किसी तरह अपने दादा जी के साथ खेलने आ ही जाया करते थे। यहां गिरधारी लाल के कई हमउम्र लोग थे। वे सभी के साथ हंसते खिलखिलाते, खेलते मुस्कुराते। परन्तु जब अपने पोते पोती की याद आती तो चुपके से कोने में जाकर अपनी आंखों में आए अश्रुबिंदुओं को पोंछ लेते।

रविवार का दिन था। गिरधारी लाल जी का मन अपने पोते पोती को मिलने के लिए मचल उठा। वह सुबह नहा धोकर तैयार हुए और वृद्धाश्रम से घर के लिए चले। पहले वह बाजार गए और बच्चों के लिए कुछ फल और मिठाई खरीदी। अपनी गली में पहुंच मन में चल रहे द्वंद्व को किनारे कर उन्होंने घर में सबसे प्रसन्न मन से मिलने का निश्चय किया। डोरबेल बजाई तो उन्हें समक्ष पाकर अरुण और मधु संदेहमिश्रित भय से आशंकित हो गए। सहज अभिवादन कर अरुण उन्हें अंदर ले आया। उसने अपने पोते और पोती को अपने पास बुलाया और उनके लिए लाई गई मिठाई और फल उन्हें दे दिए। बच्चे दादा जी को अपने बीच पाकर खुश हो गए। बाबूजी, आप कहां चले गए थे? आपको कहां कहां नहीं ढूंढा हमने? अरुण ने बात शुरू करते हुए कहा। क्यों ढूंढा तुमने बेटे? तुम खुद ही तो चाहते थे कि मैं यहां से चला जाऊं। तुम पर बोझ न बनूं। तुम मुझे कहने में शर्मिंदगी महसूस करो, इसलिए मैं खुद ही चला गया था बेटे। बाबूजी, मुझे क्षमा कर दें। मुझसे और मधु से बहुत बड़ी भूल हो गई। अब हम आपको कहीं नहीं जाने देंगे। आपकी खूब सेवा करेंगे।

नहीं बेटे, मैं तो अपने पोता पोती को देखने, इनसे मिलने आया था। जब जी किया करेगा, आ जाया करूंगा। अब मैं तुम पर बोझ बनकर नहीं रहूंगा। बाबूजी, हमें समझ आ गया है कि आप हम पर बोझ नहीं। बल्कि आप के कारण मुझे अपने कंधों पर बोझ महसूस नहीं होता। मैं ही जानता हूं कि पिछले एक महीने में मैंने कैसे यह बोझ उठाया है। बेटा! जरूरत से ज्यादा रोशनी भी आंखों को अंधा कर देती है। तुम्हें मैंने अपनी पेंशन बैंक से लाने के लिए क्या कह दिया तुम उसके मालिक ही बन बैठे। मुझे दो वक्त की रोटी देना तुम्हें इतना भारी लग रहा था कि तुम मुझे चुपचाप किसी वृद्धाश्रम में छोड़ने का प्लान बनाने लगे। बहू तो पराए घर से इस घर में आई थी पर तुम तो मेरा ही खून थे। तुम्हारे मन में मेरे लिए जरा भी तड़प नहीं थी। बाबूजी प्लीज मुझे माफ कर दीजिए। मेरा घर न टूटे, इसलिए मैं ऐसा कह गया। मैं इस काबिल तो नहीं, पर मुझे माफ कर दें। कोई बाप नहीं चाहता कि उसके बेटे का घर टूटे। कोई बाप नहीं चाहता कि उसके बेटा बहू दुखी रहें। तुम मिल बैठकर एक बार बात करके तो देखते।

बाबूजी, माफ कर दीजिए। अपनी बेटी समझ कर माफ कर दीजिए। छोटों से गलती हो जाती है तो बड़े उसे माफ कर देते हैं। मैं जानती हूं ज्ज माफ करने लायक नहीं है हमारी गलती। ज. फिर भी माफ कर दीजिए। मधु गिरधारी लाल जी के पैरों में गिर कर गिड़गिड़ाने लगी।

बेटी, मैंने तो तुझे बहू नहीं, अपनी बेटी ही माना था। तूने ही मुझे अपना बाबूजी नहीं माना।ज.. अगर अपना बाबूजी मानती तो क्या तुझे मेरी दो वक्त की रोटी बोझ लगती।

नहीं बोझ आप नहींज.. बाबूजी! बोझ तो हम जैसे वो नादान बच्चे हैं इस धरती पर, जो अपने मां बाप को बोझ मान लेते हैं और उनके साथ ज..! कहते कहते अरुण भी बाबूजी के पैरों में गिर कर रो पड़ा।

हां, हां बाबूजी! बोझ तो मेरी ही सोच थी, मधु फफककर रो पड़ी। गिरधारीलाल जी ने अरुण और मधु को उठाया और उनके आंसू पोंछते हुए बोले, बेटा, मैं सब कुछ भूलने के लिए तैयार हूं। पर एक बात समझ ले - कोई भी इंसान इस दुनिया में हमेशा के लिए नहीं रहता। एक दिन मैं भी चला जाऊंगा। तब तुम्हें मेरी बातों की कीमत समझ में आएगी।

अरुण ने धीमी आवाज़ में कहा, बाबूजी, हम अपनी गलतियों का एहसास कर चुके हैं। आपने हमें सिखा दिया कि बड़ों का महत्व क्या होता है। आप हमें फिर से इस घर को खुशियों से भरने का मौका दीजिए।

गिरधारीलाल जी ने अपने बेटे और बहू को गले लगाते हुए कहा, मैं कोई नाराज नहीं हूं, बेटा। मेरे लिए तुम्हारा प्यार और परिवार की एकता ही सबसे बड़ी खुशी है।

उस दिन के बाद अरुण, मधु, और गिरधारीलाल जी के बीच की खटास दूर हो गई। घर में एक बार फिर खुशियां लौट आईं। अरुण ने समझ लिया कि जीवन में संबंधों का महत्व पैसों से कहीं बढ़कर होता है, और मधु ने महसूस किया कि परिवार की देखभाल करना कोई बोझ नहीं बल्कि एक प्यार भरा दायित्व है।

बलदेव राज भारतीय
असगरपुर (यमुनानगर)
मोबाइल: 8901006901

सनातन धर्म और शिक्षा के प्रसार के लिए 137 देशों में कार्य जारी

प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विवि के बीके करुणा भाई के आतिथ्य में मीडिया परिसंवाद

इंदौर राष्ट्रीय जनभावना। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय के अंतरराष्ट्रीय अतिरिक्त महासचिव एवं मीडिया विंग के प्रमुख बीके करुणा भाई ने कहा कि सनातन धर्म और शिक्षा के प्रचार-प्रसार के लिए 85 वर्ष पुरानी संस्था का विस्तार अब तक 137 देशों में हो गया है। 8500 से अधिक शाखाओं में भारतीय पुरातन संस्कृति की पुनर्स्थापना और आत्मीय शान्ति के लिए प्रयास किए जा रहे हैं। बीके करुणा भाई ओम शान्ति भवन, न्यू पलासिया में राष्ट्रीय विकास में मीडिया की भूमिका विषय पर आयोजित परिसंवाद को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने बताया कि कोरोना काल के बाद अपने-पराये की व्याख्या प्रत्येक इंसान भली-भांति समझ गया है। अब हमें समझना होगा कि सिर्फ अपना कर्म ही अपना सच्चा साथी है। मीडियाकर्मी स्वयं की आत्मा की शक्ति को जागृत कर सुख, शांति और समृद्धि की राह समाज को दिखाए। मीडिया विंग प्रमुख ने सभी मीडियाकर्मियों को वर्ष में दो मर्तबा माउंट आबू में आयोजित होने वाली मीडिया कांफ्रेंस का निमंत्रण भी दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए मप्र-छग की जोन इंचार्ज राजयोगिनी डॉ. आरती दीदी ने कहा कि वर्तमान दौर में मीडिया में नकारात्मक ख़बरों को अधिक स्थान मिल रहा है। आध्यात्मिक और सकारात्मक ख़बरों के प्रकाशन का समाज में बेहतर प्रभाव पड़ेगा। उन्होंने कहा कि मीडिया समाज का महत्वपूर्ण स्तंभ है ऐसे में समाज के अन्य स्तंभों की गतिविधियों पर नज़र रखना और उसे सही दिशा देना भी बेहद जरूरी है। अमेरिका से आई ब्रह्माकुमारी मेघना जैन ने कहा कि आधुनिक तकनीक अपने साथ विषमता भी लाती है। एआई के दौर में ओरिजनलिटी पीछे छूटती जा रही है क्योंकि एआई पर जो दर्ज कर दिया गया है वही दिखाया जाता है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक मीडियाकर्मी को राजयोग का अभ्यास करना चाहिए ताकि उनके गुणों में वृद्धि हो सके। ओम शांति पत्रिका के प्रधान संपादक ब्रह्मा कुमार गंगाधर भाई ने कहा कि मीडियाकर्मी समाज को आईना दिखाने का काम करते हैं। राष्ट्रीय विकास में मीडिया की जिम्मेवारी उठाने के लिए पत्रकार बंधुओ को तत्परता से अपना कार्य करना होगा। कार्यक्रम को पूर्व कुलपति डॉ. मानसिंह परमार, वरिष्ठ पत्रकार रमेश शर्मा, अर्जुन सिंह बघेल, स्टेट प्रेस क्लब, म.प्र. के अध्यक्ष प्रवीण खारीवाल, मीडिया को-ऑर्डिनेटर ब्रह्माकुमारी चंदा बहन, स्टेट को-ऑर्डिनेटर मीडिया विंग आशीष गुप्ता ने भी संबोधित किया और कार्यक्रम का संचालन दिव्या विजयवर्गीय ने किया। अंत में डॉ. गौतम कोठारी ने आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में मीडियाकर्मी मौजूद थे। ब्रह्माकुमारी बहनों ने सभी मीडियाकर्मियों का माला एवं दुपट्टों से स्वागत किया। ब्रह्माकुमार अविनाश भाई ने गीत प्रस्तुत किया।

नर्मदा नदी में क्रूज चलने से पहले बनेंगे दो रिसॉर्ट

दो गांवों में जमीन चिन्हित

इंदौर। नर्मदा नदी के राजघाट से स्टैच्यू आफ यूनिटी तक क्रूज के संचालन से पहले नदी किनारे दो रिसॉर्ट बनाए जाएंगे। इसके लिए दो गांवों में जमीन भी देखी गई है। कुछ बड़े उद्योग समूहों ने रिसॉर्ट बनाने में दिलचस्पी भी दिखाई है। 120 किलोमीटर की क्रूज यात्रा के साथ नदी और सुरम्य वादियों के बीच पर्यटक यादगार समय बीता सके। इसके लिए रिसॉर्ट की प्लानिंग की जा रही है।

रिसॉर्ट के लिए आलीराजपुर जिले के ककराना गांव और मेघनाद घाट की जगह फायनल की गई है। दोनो गांव नर्मदा नदी किनारे है। मेघनाद घाट पर क्रूज के लिए फ्लोटिंग जेटी भी बना दी गई है। इस गांव से ही क्रूज से 120 किलोमीटर का सफर तय कर पर्यटक गुजरात के केवडिया तक पहुंच सकेंगे। क्रूज के संचालन के लिए आवश्यक निर्माणों की डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट पर्यटन विभाग ने तैयार की है। इस पर चार करोड़ रुपये का खर्च आएगा।

दोनों प्रदेशों के बीच एमओयू

क्रूज के संचालन के लिए मध्य प्रदेश और गुजरात सरकार के बीच एमओयू हो चुका है। जल्दी ही दो जेटी गुजरात में भी बनाई जाएगी। अभी तक मध्य प्रदेश में इतनी लंबी दूरी के लिए किसी भी शहर में क्रूज का संचालन नहीं किया गया है।

बस से मांडू, बाग, महेश्वर का सफर

क्रूज में यात्रा करने वाले पर्यटकों के लिए पर्यटन विभाग बस से भी मांडू, बाग और महेश्वर के सफर की यात्रा कराएगा। बड़वानी के राजघाट से केवडिया के बीच भी कुछ गांवों में क्रूज रुकेगा और पर्यटकों को दोनो प्रदेशों की आदिवासी लोक संस्कृति से रुबरु होने का मौका मिलेगा। क्रूज संचालन के लिए भी एक कंपनी तैयार है और मोटर बोट से कंपनी के प्रतिनिधियों ने बड़वानी से केवडिया तक जलमार्ग का दौरा किया। क्रूज संचालन से स्टैच्यू आफ यूनिटी का पर्यटन भी बढ़ेगा।

नेहरु जयंती से महगाई हटाओ की शुरूआत

इंदौर ।विशेष संवाददाता ।साई प्रचार मिशन मतदाता मंच ने नेहरु जयंती पर महंगाई हटाओ मोदी जगाओ अभियान का शुभारंभ श्रमिक क्षेत्र शिवाजी नगर से हीरालाल वर्मा समाजसेवी नेता रमेश घाटे भाऊ नेता ने प्रारंभ क्रिया ।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नाम लिखे पोस्ट .कार्ड में कहा कि देश के करोड़ों मतदाता महंगाई से हैरान परेशान एवं पीड़ित हैं ।यह लगातार बढ़ती ही जा रही है ।मोदी जी तुरंत से कम करने हेतु प्रभावी उठाए ।सुदामा नगर स स्मृति द्वार से हजारों पोस्ट कार्ड मोदी के नाम साईं भक्त कमल साबू अगुवाई . की अगुवाई में भेजे गए ।एरोड्रम रोड स्थित पर सुनील पांडेय की अध्यक्षता में नेहरु जी के पंचशील सिद्धांतों पर चर्चा रखे ।

इस दौरान श्री साबू ने कहा कि वर्तमान में देश के मेहनत कश मजदूर बड़ी संख्या में महंगाई से त्रस्त हैं और हमारे देश के प्रधान मंत्री को .इसके .प्रति कोई परवाह नहीं हैं । जबकि इस जटिल समस्या पर विचार .करना चाहिए । देश की गरीब जनता आप की तरफ देख रही है कि इस महंगाई पर आखिर कब लगाम लगाने वाले है । इसी को लेकर यह अभियान मध्य प्रदेश इन्दौर शहर से हो चुकी है । इस अवसर पर भजन गायक सुरेश राज ने धार्मिक पुस्तकों का निःशुल्क वितरण किया । संचालन सांई भक्त श्री साबू ने किया एवं गीता बहन सोनी ने आभार माना ।

हारमनी जैन गोल्डन गर्ल अवार्ड प्राप्त कर बनी एसएफए चैंपियन

इंदौर। स्वीमिंग एवं स्केटिंग काम्पीटिशन में तीन गोल्ड एवं एक सिल्वर मेडल जितने वाली हारमनी जैन ने एसएफए चैंपियनशिप के लिए राज्य स्तर पर आयोजित स्वीमिंग एवं स्केटिंग में 4 मेडल जीतकर इंदौर को गौरवान्वित किया ।

एसएफए चैंपियनशिप जीतकर शिशुकुंज इंटरनेशनल स्कूल की हारमनी जैन ने गोल्डन गर्ल अवार्ड के साथ रू 25000/- का कैश प्राइज़ भी जीतकर सबका मन मोह लिया। अवार्ड एवं पुरस्कार दी एमराल्ड हाईट्स वर्ल्ड स्कूल के डायरेक्टर ने देकर सम्मानित किया। इस कार्यक्रम में म प्र के अनेकों स्कूल के खिलाड़ी, कोच एवं अभिभावक उपस्थित थे । हारमनी जैन की इस विशेष सफलता के लिए फेडरेशन के संस्थापक राष्टीय अध्यक्ष वीरेन्द्र कुमार जैन, महिला संघ की संस्थापक अध्यक्ष रेखा जैन, शिशुकुंज स्कूल के डायरेक्टर राजेश मेहता, प्रेम सेठिया, एक्ज़ीक्यूटिव डायरेक्टर धीरेंद्र दवे एवं प्राचार्य डॉ ललिता सिंह, स्वीमिंग हेड मनोज दवे, कोच विकास सर, स्केटिंग हेड योगेश सर, नरेश सर ने बधाइयाँ दी। जन्मायक विवेक शारदा जैन ने खुशी ज़ाहिर करते हुए सभी को धन्यवाद दिया।

मप्र में नक्सलियों का नया ठिकाना संजय टाइगर रिजर्व

सीधी–सिंगरौली के माड़ा जंगल को बनाया सेफ जोन

इंदौर। एमपी के संजय टाइगर रिजर्व के माड़ा के जंगल के आसपास के गांव में घूमने के दौरान ग्रामीणों से बात हुई। ग्रामीणों ने बताया कि पिछले कुछ दिनों से कुछ नए चेहरे देखने को मिले हैं। ये लोग कौन है, कहां से आए हैं, हमें नहीं पता। ये इंटेलिजेंस ब्यूरो के एक अफसर की रिपोर्ट के अंश हैं जो पिछले दिनों केंद्र सरकार को दी गई है।

अफसर ने ये भी लिखा कि आशंका इस बात की है कि ये नक्सली हैं, जो छत्तीसगढ़ से भागकर मप्र की सीमा में दाखिल हुए हैं।

दरअसल, इसी रिपोर्ट के आधार पर मप्र सरकार ने पिछले दिनों केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के साथ हुई बैठक में सीआरपीएफ की दो बटालियन की मांग की है। सीधी-सिंगरौली के जंगल से सटा माड़ा का जंगल नक्सलियों का नया ठिकाना है।

इससे पहले वे कान्हा के रास्ते बालाघाट, मंडला और डिंडौरी में दाखिल होते रहे हैं।

आखिर नक्सलियों ने माड़ा के जंगल को सेफ जोन क्यों बनाया है, सुरक्षा बल इससे निपटने के लिए क्या रणनीति बना रहे हैं?

नक्सलियों का मूवमेंट

कान्हा में नजर आया

महाराष्ट्र और छत्तीसगढ़ इंटेलिजेंस से जुड़े दो बड़े अधिकारियों के मुताबिक 20 से 25 नक्सलियों का मूवमेंट सीधी-सिंगरौली से लगे माड़ा जंगल और मंडला के कान्हा नेशनल पार्क के कोर एरिया में देखा जा रहा है। इंटेलिजेंस ब्यूरो (आईबी) के एक अधिकारी ने खुद इन क्षेत्रों का भ्रमण कर इसकी पुष्टि की है। आईबी ने केंद्र सरकार को जो रिपोर्ट दी है उसके मुताबिक कान्हा के जंगल के आसपास नए लोगों को देखे जाने की पुष्टि स्थानीय गांव वालों ने की है। ये पहले से सक्रिय नक्सलियों से अलग लोग हैं। इससे साफ है कि बस्तर में बढ़ते दबाव के बाद नक्सली इस क्षेत्र में शरण लेने आ रहे हैं।

ब्लाइंड स्कूल के बच्चों को कैंसर विजेताओं ने बताए सकारात्मकता के मंत्र

इंदौर। इंद्रधनुष हम लेकर आये सतरंगी संसार का जैसे गीतों के साथ कैंसर महिला योद्धाओं ने बच्चों को सकारात्मकता के मंत्र दिए।

प्रकाश नगर स्थित मध्यप्रदेश दृष्टिहीन कल्याण संघ के हेलन केलर ब्लाइंड स्कूल में इंद्रधनुष संगीत उपचार संस्था और कैंसर सपोर्ट ग्रुप का 14वां स्थापना दिवस गीत संगीत, प्रेरक कहानियों व योग के प्रयोग के बीच मनाया।

सर्वप्रथम सचिव सचिव डॉ. छाया मटंगे ने संस्था का परिचय देते हुए सदस्याओं (केंसर विजेता महिलाओं) ने इंद्रधनुष हम लेकर आये सतरंगी संसार का प्रस्तुत कर सभी का मनमोह लिया।

वरिष्ठ मेम्वर वर्षा तारे ने कबीर के दोहे व रोचक कहानियां सुनाई। उन्होंने प्रसिद्ध विद्वान और समाज सुधारक ईश्वरचंद्र विद्यासागर की रेलवे स्टेशन पर कुली वाली कहानी सुनाई और बच्चों को अपना काम खुद करो की बेहतरीन सीख भी दी। इसके बाद संस्था की सीमा नातू, मीनल खंडकर और विशाखा मराठे ने बाल गीतों को सुनाया। ब्लाइंड स्कूल के बच्चों ने भी जब प्रेरक गीत सुनाए तो सभी की आंखे भर आई।

संगीत चिकित्सा का महत्व बताते हुए डॉ. छाया मटंगे, रेणुका तारे, रंजना लेले, सुनयना चौरड़िया, माधुरी भंडारी ने संगीत योग के प्रयोग करवाये। इंद्रधनुष संस्था ने 25 हज़ार का अनुदान ब्लाइंड स्कूल को देकर एक सार्थक प्रयास किया। संचालन रेणुका तारे ने किया। हेलन केलर ब्लाइंड स्कूल की प्राचार्या संजीवनी डोभाल ने कार्यक्रम की सराहना करते हुए आभार व्यक्त किया।

शिक्षित महिला सभ्य समाज की निर्माता - प्राचार्य डॉ.जैन

सैलाना। बालिका शिक्षा समाज की हमेशा से जरुरत रही है और शिक्षित महिला एक नहीं दो परिवारों को शिक्षित करती है ,जो सभ्य समाज के निर्माण में जरूरी है। उक् उद्बोधन प्राचार्य डॉ एस सी जैन ने शासकीय महाविद्यालय सैलाना में बालिका शिक्षा महत्व कार्यक्रम के अंतर्गत अध्यक्षता करते हुए दिया। मुख्य वक्ता प्रो. अनुभा कानडे ने विद्यार्थियों को बालिका शिक्षा का महत्व तथा तथ्यों के साथ विस्तार से जानकारी दी । कार्यक्रम में डॉ. हेमलता बामनिया एवं डॉ. मंजुला मंडलोई ने अपने अनुभव छात्राओं से साझा किये। कार्यक्रम में महाविद्यालय के वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. आर.पी पाटीदार, डॉ अशोक रावत, डॉ. एस एस रावत ,डॉ. हरिओम अग्रवाल, डॉ.बालकृष्ण चौहान सहित बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित थे । कार्यक्रम का संचालन प्रो.भूपेंद्र मंडलोई ने किया तथा आभार डॉ. सौरभ ई लाल ने माना ।

बालसभा का आयोजन संपन्न

रतलाम। जिला कार्यक्रम अधिकारी श्री रजनीश सिन्हा के सफल मार्गदर्शन में मिशन शक्ति सह बेटी बचाओ, बेटी पढ़ओ अन्तर्गत् जिला रतलाम के आगनवाड़ी केन्द्रों पर 14 नवंबद बाल दिवस के अवसर पर ''बाल सभा'' का आयोजन महिला बाल विकास टीम द्वारा किया गया। बाल सभाओं में बालक बालिकाओं ने बढ़चढ़ भागीदारी की। छोटे-छोटे नन्हें मुन्नों द्वारा कविता, गीता, भाषण प्रतियोगिता में भाग लिया गया । आगनवाड़ी कार्यकर्ताओं एवं सहायिकाओं द्वारा बच्चों को ''बाल दिवस'' के महत्व को बताया गया। आयोजन का सशक्त नेतृत्व ''हब'' एवं ''बीबीबीपी'' नोडल अधिकारी कुमारी अंकिता पण्ड्या एवं समन्वय लिपिक श्रीमती यशोदाकुंवर राजावत द्वारा किया गया।

विधायक डॉ राजेंद्र पाण्डेय के अथक प्रयासों से अब एक ही छत के नीचे बच्चों और मरीजों को मिलेगा उपचार

रतलाम। सिविल हॉस्पिटल जावरा में नये नवजात शिशु स्थिरीकरण इकाई एवं पोषण पुनर्वास केंद्र तथा फिजियोथेरेपी यूनिट का शुभारंभ विधायक डॉ राजेंद्र पाण्डेय ने एस डी एम त्रिलोचन गौड़, पूर्व नपा अध्यक्ष यूसुफ कड़पा, सांसद प्रतिनिधि प्रदीप चौधरी, समाजसेवी अनील धारीवाल, तहसीलदार संदीप इवने, अस्पताल प्रभारी डा दीपक पालडिया, सीबीएमओ डॉ शंकरलाल खराड़ी, डा अजय सिंह राठौर,डा घनश्याम पाटीदार एवम विभागीय अधिकारियों, कर्मचारीयो की उपस्थिति में किया। इस अवसर पर डॉ राजेंद्र पाण्डेय ने सभी को शुभकामनाएं देते हुए अच्छे तरीके से संचालित करने की बात कहीं। लगभग 2 करोड़ रु की लागत से निर्मित इस सुविधा मिलने के कारण 20 बिस्तरिय पोषण पुनर्वास केंद्र में अति गंभीर बच्चों का ईलाज हो सकेगा तथा कुपोषण दूर होगा ।साथ ही नवजात शिशु स्थिरीकरण इकाई में 4 वॉर्मर मशीनों तथा 2 फ़ोटो थेरेपी मशीन पर कम वजन वाले बच्चों, जन्म के बाद नहीं रोने वाले बच्चों तथा समय से पूर्व जन्म लेने वाले बच्चों का इलाज बेहतर तरीके से हो सकेंगा।। फिजियोथेरेपी सेंटर में जोड़ जाम होने पर, पीठ दर्द होने पर, फ्रेक्चर तथा ऑपरेशन के बाद की सुविधा इस सेंटर के माध्यम से मरीजों को मिलेगी। इस अवसर पर डा विजय पाटीदार डा अरुण गुप्ता, डा अतुल मंडवारिया, डा दिनेश पाटीदार, शैलेन्द्र कुमार दवे, कैलाश पवार, गोपाल राठौर, टीना नांदेड़ा, हर्ष लता मेहरा, सोनाली पाटीदार, रुबीना खान,अंजू कुमावत, भारत सिंह बलवंत झाला उपस्थित थे।

उद्योगों को प्रस्तावित संयुक्त निरीक्षण स्वीकार नहीं

रतलाम। जिलाधीश रतलाम द्वारा रतलाम की औद्योगिक इकाइयों के निरीक्षण के लिए गठित दल की समाचार पत्रों में सूचना मिलने पर भारी असंतोष है रतलाम के सभी प्रमुख औद्योगिक संगठनों के सदस्यों की संयुक्त बैठक उद्योग भवन में आयोजित की गई जिसमें सभी सदस्यों द्वारा सर्वसम्मति से औद्योगिक इकाइयों के निरीक्षण लिए गठित दल द्वारा निरीक्षण को अनुचित व गैर वाजिब माना है तथा यह उद्योगों के सम्मान को भी ठेस पहुंचाने जैसा है सभी सदस्यों द्वारा बताया गया की गठित समिति को जिन बिंदुओं पर निरीक्षण का बोला गया है उक्त सभी बिंदुओं पर उद्योग विभाग के मैनेजर के नेतृत्व में चार सदस्य दल ने सभी औद्योगिक इकाइयों का विस्तृत निरीक्षण विगत तीन महा पूर्व ही किया गया है इस प्रकार से बार-बार औद्योगिक इकाइयों को निरीक्षण के नाम पर परेशान करने की क्या आवश्यकता है उद्योगों का विभिन्न विभागों द्वारा जैसे श्रम विभाग, प्रदूषण विभाग, औद्योगिक स्वास्थ्य सुरक्षा, बिजली एवं अन्य विभागों द्वारा समय-समय पर निरीक्षण तो किया जाता है अगर जिला प्रशासन को उक्त विभागों के निरीक्षण पर भरोसा नहीं है तो सबसे पहले उद्योग विभाग के उन सभी अधिकारियों और उन सभी विभागों के विरुद्ध कार्रवाई करें जिनके द्वारा उद्योगों में निरीक्षण किया गया एक और तो माननीय मुख्यमंत्री जी और शहर विधायक व लघु उद्योग मंत्री जी द्वारा प्रदेश में रीजनल कांक्लेव का आयोजन कर प्रदेश में औद्योगीकरण के लिए प्रयास किया जा रहे हैं। उसके विपरीत उनके ही गृह जिले में उद्योगों को बार-बार प्रताड़ित किया जा रहा है बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया है कि 6 सदस्य प्रतिनिधि मंडल का गठन किया गया है जो इस विषय में सभी निर्णय और कार्रवाई हेतु प्राधिकृत है प्रशासन द्वारा उक्त आदेश को तुरंत वापस नहीं लिया गया और उद्योगों के निरीक्षण की कार्रवाई प्रारंभ की गई तो रतलाम के समस्त लघु उद्योग इकाइयों द्वारा अपना उत्पादन बंद करके उद्योगों की चाबी माननीय मुख्यमंत्री जी और मंत्री जी को सौंप दी जाएगी जिसकी पूर्ण जिम्मेदारी जिला प्रशासन की होगी बैठक में निर्णय लिया गया कि भविष्य में इस प्रकार की कोई भी कार्रवाइयों और बेवजह उद्योगों को परेशान करने की प्रयासों के विरुद्ध एक सक्षम कानूनी सेल का गठन किया जाए इसके लिए तत्काल प्रभाव से दो अधिवक्ताओं को नियुक्त किया गया है जिनके द्वारा विधि अनुसार कार्रवाई की जाएगी बैठक में सारे निर्णय सर्वसम्मति से पारित किए गए।

रतलाम मेडिकल कॉलेज का प्रथम दीक्षांत समारोह संपन्न

कैबिनेट मंत्री चेतन्य काश्यप के हाथों प्रथम बेच के विद्यार्थी उपाधि प्राप्त कर खुशी से झूम उठे

रतलाम।

शासकीय डॉ. लक्ष्मीनारायण पांडे मेडिकल कॉलेज का प्रथम दीक्षांत समारोह रविवार को संपन्न हुआ। इस अवसर पर प्रथम बैच के 120 विद्यार्थी समारोह के मुख्य अतिथि प्रदेश के सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्री श्री चेतन्य काश्यप के हाथों अपनी एमबीबीएस की उपाधि प्राप्त कर खुशी से झूम उठे।

इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में पद्मश्री डॉ. लीला जोशी, मेडिकल कॉलेज के प्रथम डीन तथा वर्तमान में इंदौर शासकीय मेडिकल कॉलेज के डीन डॉ. संजय दीक्षित, महापौर प्रहलाद पटेल, मनोहर पोरवाल, गोविंद काकानी, हेमंत राहोरी, रतलाम मेडिकल कॉलेज की डीन डॉ. अनीता मुथा, कॉलेज के प्राध्यापक, विद्यार्थी तथा उनके परिजन मौजूद रहे। इसके पूर्व मंत्री श्री काश्यप ने दीक्षांत समारोह प्रारंभ होने की औपचारिक घोषणा की।

इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री श्री काश्यप ने कहा कि कॉलेज का प्रथम दीक्षांत समारोह विद्यार्थियों, उनके परिवार जनों एवं कॉलेज अध्यापकों के साथ-साथ रतलाम नगर एवं मध्य प्रदेश के लिए भी गौरवशाली क्षण है। उन्होंने एमबीबीएस उपाधि प्राप्त करने वाली कॉलेज की प्रथम बैच के विद्यार्थियों को बधाई, शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह आपके जीवन के लिए एक माइल स्टोन है। यहां आपके जीवन का निर्माण हुआ है। आप आगे चलकर इस कॉलेज का नाम रोशन करेंगे।

मंत्री श्री काश्यप ने विद्यार्थियों से आग्रह किया कि वह अपने जीवन में सदैव सेवा का भाव रखें। उन्होंने कहा कि रतलाम मेडिकल कॉलेज ने अल्प समय में एक प्रतिष्ठा और ऊंचाइयां प्राप्त की है जो हमारे लिए गर्व की बात है। यह कॉलेज हमारे अन्चल में एक सौभाग्य है। इसके निर्माण से लेकर अब तक की उपलब्धियां के पीछे एक लंबा समर्पण रहा है। मंत्री श्री कश्यप ने कहा कि मेडिकल कॉलेज ने कोरोना काल के दौरान रोगियों की सेवा में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वाह किया है। मेडिकल कॉलेज के निर्माण एवं उपलब्धियां में कॉलेज के प्रथम डीन डॉ. संजय दीक्षित, महापौर प्रहलाद पटेल, पद्मश्री डॉ. लीला जोशी, समाजसेवी गोविंद काकानी आदि व्यक्तियों के योगदान को महत्वपूर्ण बताया। पद्मश्री डॉ लीला जोशी ने अपने प्रेरक उदबोधन विद्यार्थियों को भावी जीवन में उन्नति एवं सेवा कार्य के लिए भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी। महापौर प्रहलाद पटेल ने कहा कि कॉलेज का प्रथम दीक्षांत समारोह विद्यार्थियों, उनके परिजनों, कॉलेज प्राध्यापको तथा हम सबके लिए गौरवशाली क्षण है। महापौर ने रतलाम मेडिकल कॉलेज के निर्माण और अब तक की उपलब्धियां में कैबिनेट मंत्री चेतन्य काश्यप के योगदान को महत्वपूर्ण बताते हुए विद्यार्थियों से आग्रह किया कि अपने चिकित्सकीय सेवा काल के दौरान गरीब व्यक्ति और गरीब रोगियों की मदद एवं सेवा के लिए एक विशेष सेवा भाव सदैव जीवन में रखें। इस अवसर पर कॉलेज के प्रथम डीन डॉ. संजय दीक्षित ने कॉलेज के निर्माण से लेकर अब तक की उपलब्धियो पर प्रकाश डाला। डॉ. दीक्षित ने कहा कि कॉलेज के प्रथम दीक्षांत समारोह के अवसर पर वे आत्मीय प्रसन्नता से ओतप्रोत है। उन्होंने प्रथम बैच विद्यार्थियों को भावी जीवन के लिए शुभकामनाएं दी। कॉलेज की डीन डॉ. अनीता मुथा ने रतलाम मेडिकल कॉलेज की प्रगति, उपलब्धियां एवं उसमें योगदान देने वाले व्यक्तियों का जिक्र किया।

दो अलग-अलग थानों पर हुई नशे के खिलाफ बड़ी कार्यवाही, तीन आरोपी गिरफ्तार

रतलाम।

जिले में पुलिस द्वारा लगातार चलाए जा रहे अवैध मादक पदार्थ के खिलाफ अभियान मैं पुलिस को सफलता मिल रही है। पिछले 24 घंटे में पुलिस ने दो थाना क्षेत्र अंतर्गत कार्रवाई को अंजाम देते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया।

गिरफ्तार आरोपियों से 2 लाख से ज्यादा का अवैध मादक पदार्थ एवं ड्रग्स सहित एक मोटरसाइकिल भी जप्त कर प्रकरण दर्ज किया गया।

पुलिस अधीक्षक अमित कुमार के निर्देश पर पुलिस लगातार नशे के खिलाफ कार्रवाई कर रही है। शनिवार को पुलिस ने मूखबीर सूचना के आधार पर आलोट थाना क्षेत्र अंतर्गत वीरू पिता गुरु चरण सिंह 33 वर्षीय निवासी रामपुर जिला लुधियाना पंजाब और प्रधान सिंह पिता गोपाल सिंह राजपूत 32 वर्षीय निवासी भरतपुर सुवासरा जिला मंदसौर को आलोट रेलवे स्टेशन से करीब 400 मीटर दूर कच्चे रास्ते विक्रमगढ़ से तीन कपड़े की गठरियों के अंदर बोरो में भरा 57 किलो 900 ग्राम अवैध मादक पदार्थ जिसकी कीमत एक लाख पंद्रह हजार के साथ गिरफ्तार किया।

वहीं दूसरी ओर पिपलौदा थाना क्षेत्र अंतर्गत अरशद पिता अफजल खान पठान 20 वर्षीय निवासी ग्राम राकोड़ा पिपलोदा को प्रतापगढ़ तिराहा आम रोड से अवैध मादक पदार्थ एम डी ड्रग्स जिसका वजन 15 ग्राम कीमत एक लाख बीस हजार रुपए सहित एक हीरो ग्लैमर मोटरसाइकिल के साथ गिरफ्तार किया गया। उक्त दोनों ही मामले में पुलिस ने तीनों आरोपियों के विरुद्ध एनडीपीएस के तहत प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की।

मोतीलाल जैन भगवा स्वयं सेवक संघ के चौथी बार प्रदेश अध्यक्ष बने

रतलाम । भगवा स्वयं सेवक संघ का पिछले 7 वर्षों के कार्यकाल में किए गए, सेवा कार्य और संघ के प्रति आपकी ईमानदार छवि एवं कर्तव्य निष्ठा को देखते हुए जोधपुर राष्ट्रीय कार्यालय पर उपस्थित राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्यों द्वारा विचार विमर्श कर सर्व सम्मति से प्रस्ताव पारित कर राष्ट्रीय पदाधिकारियों की अनुशंसा पर संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेश नोरवा ने एक बार पुन~ मध्यप्रदेश से रतलाम जिले के सरवनी जागीर निवासी मोतीलाल जैन पिता मिश्रीलाल जैन को भगवा स्वयं सेवक संघ में मध्य प्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष पद पर नियुक्ति देते हुए राष्ट्रीय कार्यकारिणी में स्थाई कार्य समिति सदस्य के रूप में मनोनीत किया। श्री जैन के चौथी बार प्रदेश अध्यक्ष एवं राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य बनने पर सभी शीर्ष पदाधिकारियों के साथ संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेश नोरवा ने स्वागत कर उज्वल भविष्य की कामना की।

भगवान बिरसा मुंडा की150 जयंती राष्ट्रीय जनजातीय गौरव दिवस मनाया गया

सैलाना। भगवान बिरसा मुंडा की 150 वी जयंती आजाद चौक सरवन मै राष्ट्रीय जनजातीय गौरव दिवस मनाया गया इस अवसर पर मुख्यअतिथि (सह जिला सह कार्यवाहा) मोहन राणा, (जिला महामंत्री) पूर्व विधायक संगीता चारेल, विशेष अतिथि(अजजा मोर्च जिला अध्यक्ष) शंभू सिंह गणावा, (जनपद अध्यक्ष) कैलाशी चारेल, (मंडल अध्यक्ष) बापू सिंह मइडा ने भगवान बिरसा मुंडा की तस्वीर पर माल्यार्पण अपने विचार व्यक्त किये। बिरसा मुंडा जयंती पर मोहन राणा द्वारा व्यक्त किया हुआ विचार मैं कहां हमें समाज में सुधार लाना होगा और बच्चों को पढ़ने और शिक्षा के तरफ ध्यान देना होगा धर्मांतरण और जनजातीय पर ध्यान देना होगा। पूर्व विधायक संगीता चारेल राष्ट्रीय जनजातीय गौरव दिवस पर अपने विचार व्यक्त किये बच्चों की शिक्षा नशा मुक्ति के लिए प्रेरित किया उन्होंने कहा भगवान बिरसा मुंडा परिवार का जीवन बेहद कठिन से भरा था उनके बचपन से ही आर्थिक तंगी का सामना करना पड़ा था सामाजिक असमानता अत्याचार और ब्रिटिश जनजातीय पर निरंतर हो रहे शोषण पर और धर्मांतरण और जनजातीय पर हो रहे अत्याचारों के खिलाफ आवाज उठाई थी इसी प्रकार अपने को भी धर्मांतरण रोकना होगा और बच्चों की शिक्षा पर ध्यान देना होगा। (वरिष्ठ नेता भाजपा)डॉ. सुशील कपूर, (मोर्चा मंडल अध्यक्ष) फतेह सिंह मईडा, (जनपद सदस्य) मनोहर डिंडोर, (सरपंच सलवानिया) मदन लाल, (शक्ति केंद्र प्रभारी) कमल निनामा, लाल सोमानी, रामलाल मईडा, उदय सिंह गुर्जर(बुधअध्यक्ष) मदन मईडा, लाल सिंह चारेल, बालचंदजी, धीरजी मईडा, चतर सिंह खराड़ी,(संचालन- मंडल महामंत्री) भैरू सिंह निनामा ने किया एवं(सरपंच सरवन) शम्भुडी बाई भाभर ने आभार व्यक्त किया इस अवसर पर ग्राम के नागरिक उपस्थित थे।

उत्तर रेलवे में ब्लॉक के कारण कुछ ट्रेने प्रभावित

रतलाम।

उत्तर रेलवे फिरोजपुर मंडल के चिहेरू रेलवे स्टेशन पर प्रस्तावित ब्लॉक के कारण रतलाम मंडल से होकर गुजरने वाली कुछ ट्रेने प्रभावित होगी। प्रभावित ट्रेनों का विवरण निम्नानुसार है

निरस्त ट्रेने~ 1. तत्काल प्रभाव से 25 नवम्बर तक डॉ. अम्बेडकर नगर से चलने वाली गाड़ी संख्या 09321 डॉ. अम्बेडकर नगर श्रीमाता वैष्णोदेवी कटड़ा स्पेशल। 2. तत्काल प्रभाव से 26 नवम्बर तक श्रीमाता वैष्णोदेवी कटड़ा से चलने वाली गाड़ी संख्या 09322 श्रीमातावैष्णोदेवी कटड़ा डॉ. अम्बेडकर नगर स्पेशल।

रेगुलेट/री-शेड्यूल ट्रेने ~ 1. 22 नवम्बर को श्रीमाता वैष्णोदेवी कटड़ा से चलने वाली 12920 श्रीमाता वैष्णोदेवी कटड़ा डॉ. अम्बेडकर नगर एक्सप्रेस आरंभिक स्टेशन से 45 मिनट विलम्ब से चलेगी। 2. 24 नवम्बर को श्रीमाता वैष्णोदेवी कटड़ा से चलने वाली 12920 श्रीमाता वैष्णोदेवी कटड़ा डॉ. अम्बेडकर नगर एक्सप्रेस आरंभिक स्टेशन से 60 मिनट विलम्ब से चलेगी। 3. 27 नवम्बर को श्रीमाता वैष्णोदेवी कटड़ा से चलने वाली 12920 श्रीमाता वैष्णोदेवी कटड़ा डॉ. अम्बेडकर नगर एक्सप्रेस आरंभिक स्टेशन से 120 मिनट विलम्ब से चलेगी। 4. 25 नवम्बर को श्रीमाता वैष्णोदेवी कटड़ा से चलने वाली 12472 श्रीमाता वैष्णोदेवी कटड़ा बान्द्रा टर्मिनस एक्सप्रेस आरंभिक स्टेशन से 90 मिनट विलम्ब से चलेगी। 5. 24 नवम्बर को श्रीमाता वैष्णोदेवी कटड़ा से चलने वाली 12478 श्रीमाता वैष्णोदेवी कटड़ा जामनगर एक्सप्रेस आरंभिक स्टेशन से 60 मिनट विलम्ब से चलेगी। 6. 27 नवम्बर को शहीद कैप्टन तुषार महाजन उधमपुर रेलवे स्टेशन से चलने वाली 22942 शहीद कैप्टन तुषार महाजन उधमपुर इंदौर एक्सप्रेस आरंभिक स्टेशन से 90 मिनट विलम्ब से चलेगी।

परिवर्तित मार्ग से चलने वाली ट्रेने ~ 1. तत्काल प्रभाव से 26 नवम्बर तक डॉ. अम्बेडकर नगर से चलने वाली गाड़ी संख्या 12919 डॉ. अम्बेडकर नगर श्रीमाता वैष्णोदेवी कटड़ा एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग वाया लुधियाना-फिल्लौर-नकोदर-लोहियां खास-कपूरथला-जालंधर सिटी चलेगी। 2. तत्काल प्रभाव से 25 नवम्बर तक बान्द्रा टर्मिनस से चलने वाली गाड़ी संख्या 12471 बान्द्रा टर्मिनस श्रीमाता वैष्णोदेवी कटड़ा एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग वाया लुधियाना-फिल्लौर-नकोदर-लोहियां खास-कपूरथला-जालंधर सिटी चलेगी। 3. 20 नवम्बर को जामनगर से चलने वाली गाड़ी संख्या 12477 जामनगर श्रीमाता वैष्णोदेवी कटड़ा एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग वाया लुधियाना-फिल्लौर-नकोदर-लोहियां खास-कपूरथला-जालंधर सिटी चलेगी। 4. 23 नवम्बर को गांधीधाम से चलने वाली गाड़ी संख?या 12473 गांधीधाम श्रीमाता वैष्णोदेवी कटड़ा एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग वाया लुधियाना-फिल्लौर-नकोदर-लोहियां खास-कपूरथला-जालंधर सिटी चलेगी। 5. 19 एवं 26 नवम्बर को हापा से चलने वाली गाड़ी संख्या 12475 हापा श्रीमाता वैष्णोदेवी कटड़ा एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग वाया लुधियाना-फिल्लौर-नकोदर-लोहियां खास-कपूरथला-जालंधर सिटी चलेगी। 6. 20 नवम्बर को कोच्चुवेली से चलने वाली गाड़ी संख्या 12475 हापा श्रीमाता वैष्णोदेवी कटड़ा एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग वाया लुधियाना-फिल्लौर-नकोदर- जालंधर सिटी चलेगी।

ट्रेनों के आगमन/प्रस्थान समय, ठहराव सहित अन्य अद्यतन जानकारियॉं रेल मदद ऐप, रेल मदद नम्बर 139 या www.enquiræ÷y.indi-anræ÷ail.gàæv.in की सहायता ले सकते हैं।

ऑटो में बैठी बुजुर्ग महिला की सोने की चैन चुराने वाली 2 महिला सहित 3 आरोपियों को माणकचौक पुलिस ने किया गिरफ्तार

रतलाम।

15 नवंबर को कसारा बाजार मांगलिक भवन के सामने आटो रिक्शा में बैठी एक बुजुर्ग महिला के गले की सोने की चैन चोरी करने की रिपोर्ट पर थाना माणकचौक रतलाम पर अप. क्र. 609/24 धारा 303(2) बी.एन.एस. का अपराध पंजीबद्ध किया जाकर विवेचना मे लिया गया।

घटना की गंभीरता के दृष्टिगत पुलिस अधीक्षक अमित कुमार के निर्देशन में अति.पुलिस अधीक्षक राकेश खाखा व नगर पुलिस अधीक्षक सत्येन्द्र घनघोरीया के मार्गदर्शन में थाना माणकचौक रतलाम के थाना प्रभारी निरीक्षक सुरेन्द्र सिंह गाडरिया के नेतृत्व में सायबर सेल, सीसीटीवी एवं माणकचौक की संयुक्त टीम गठित की गयी थी।

घटना में संलिप्त अज्ञात महिला आरोपियो की गिरफ्तारी के लिए त्वरीत कार्यवाही करते हुवे टीम के द्वारा रतलाम शहर के सम्भावित रास्तो के सीसीटीवी फुटेज एवं अन्य तकनीकी साक्ष्यों एवं मुखबिर सूचना के आधार पर संदिग्ध महिलाओं की तलाश करते संदिग्ध महिलाओं के बिलपांक टोलटेक्स से पर संदिग्ध वाहन सफेद रंग की कार क्रं. आर.जे. 14 यु.के. 9641 से निकलने की जानकारी प्राप्त होने पर उक्त वाहन की घेराबंदी करते हाईवे रोड़ पर हिमालय स्कुल के पास

धराड़ में उक्त संदिग्ध वाहन खड़ी मिली जिसको मोके पर चेक करते वाहन में दो महिला अपने बच्चो के साथ बैठी मिली। जिसे थाना लाकर पुछताछ करते आरोपीयो द्वारा घटना दिनांक को चोरी करना कबुल कर चोरी की गई। सोने की चैन वजनी करीब 15 ग्राम की अपनी उक्त कार से ड्रायवर सीट के पीछे से निकलाकर पेश करने पर जप्त आरोपीगणो को गिरफ्तार किया गया। पूछताछ के दौरान आरोपियो द्वारा 12 नवंबर को पोरबंदर गुजरात में भी चोरी करना कबुला गया। पुलिस द्वारा चोरी गया मशरुका जप्त कर लिया गया है जिस सम्बंध मे पोरबंदर पुलिस को भी सुचना दी गई है। आरोपीगणो से चोरी के अन्य प्रकरणो के सम्बंध में भी पुछताछ की जा रही है।

जप्त चोरी गया सामान किया जब्त

सोने की चैन वजनी करीबन 15 ग्राम किमती 1,20,000 रुपये व घटना में प्रयुक्त एक सफेद रंग टोयटा कम्पनी की कार क्र. आर.जे.14 यु.के. 9641 किमती 14 लाख रुपये (कुल मश्रुका15 लाख 20 हजार रुपये)।

गिरफ्तार आरोपी रेखादेवी पति सुनील बागड़ी उम्र 38 वर्ष निवासी श्रीजीवाटीका खुर्दी कोटपुतली जयपुर राजस्थान, सुजाता उर्फ काजल पति राज उर्फ शिवा बागड़ी उम्र 20 वर्ष निवासी सदर, सुनिल पिता महेन्द्रसिह बागड़ी उम्र 45 वर्ष निवासी सदर।

इनकी रही सरहानीय भूमिका

निरीक्षक सुरेन्द्रसिह गाडरिया, उनि प्रविण वास्कले, सउनि शिवनाथ सिंह राठौर, प्रआर दिलीप रावत, आर संजय सोनावा, आर राजेन्द्र चोहान, आर हरीओम अकोदिया, आर रणवीर सिह , आर गोविंद गेहलोत, आर अविनाश मिश्रा, थाना माणकचौक रतलाम सायबर सेल टीम के प्रआर मनमोहन शर्मा (प्रभारी सायबर सेल), प्रआर लक्ष्मीनारायण सुर्यवंशी, प्रआर हिम्मतसिह, आर विपुल भावसार, आर मयंक व्यास आर तुषार सिसोदिया एवं सीसीटीवी शाखा से उनि राजा तिवारी (प्रभारी सीसीटीवी शाखा), स उ नि देवेंद्र ठाकुर, आर नीलेश शर्मा की सराहनीय भूमिका रही।

झोलाछाप डॉक्टर खुलेआम क्लीनिक खोल कर रहे इलाज

कई मेडिकल स्टोरों में भी फार्मासिस्ट कर रहे मरीजों का इलाज

पीथमपुर। इन दिनों मौसमी बीमारियों का दौर सा चल रहा है, बच्चों से लेकर बडे बूढ़े तक सर्दी जुकाम, बुखार, खांसी सहित गले व पेट के बीमारियों से परेशान है। ऐसे में अस्पतालों में प्रतिदिन भारी संख्या में मरीजों की भीड़ आ रही है। लेकिन सभी का इलाज सरकारी अस्पताल में नहीं हो पा रहा है। ऐसे में मरीज क्लीनिकों में पहुंच कर इलाज करा रहे हैं।

इनमें से ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में सरकारी स्वास्थ्य सेवाएं कमजोर होने से झोलाछाप डॉक्टरों के पास मरीज जा रहे हैं और बिना जांच के ही दवाई करा रहे हैं। वहीं ग्रामीण क्षेत्र के साथ ही शहर के कई स्थानों में झोलाछाप डॉक्टर और मेडिकल स्टोरर्स में फार्मासिस्ट खुलेआम मरीजों का इलाज कर उनकी जान से खिलवाड कर रहे हैं।

मौसम के बदलाव से जिले के कई लोग अचानक से बीमार पडऩे लगे है, जिनमें से ज्यादातर बच्चे बीमार पड रहे हैं। ऐसे में जिले की सरकारी स्वास्थ्य सेवा बेहतर नहीं है। ग्रामीण इलाकों में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में डॉक्टर नहीं होने या अन्य कार्यों में व्यस्त होने से लोग निजी अस्पतालों का रुख कर रहे हैं, जो कि बहुत महंगे हैं और जो लोग इतना खर्च उठाने लायक नहीं हैं उनका सहारा झोलाछाप डॉक्टर बन रहे हैं।

झोलाछाप डॉक्टर देश की स्वास्थ्य व्यवस्था की अहम सच्चाई हैं। इन्हें कहीं ग्रामीण चिकित्सक का नाम मिला है, तो कहीं बंगाली डॉक्टर और झोलाछाप डॉक्टर या चांदसी डॉक्टर कहकर पुकारा जाता है। ये वो लोग हैं जिन्होंने मेडिकल की डिग्री तो नहीं ली, लेकिन कई साल से गांव, कस्बों में मेडिकल प्रैक्टिस करते आ रहे हैं। जिससे वह डॉक्टर बन कर गांव सहित आसपास के लोगों को इलाज कर रहे हैं।

किराए के मकान में खोल दिया हॉस्पिटल

छत्र छाया कॉलोनी में शिवालय हॉस्पिटल अवैध रूप से किराए के मकान में संचालित हो रहा है जहां प्रशिक्षित नर्स और जरूरी चिकित्सा सुविधाएं नहीं हैं। बिना अनुमति के संचालित इस हॉस्पिटल में अनुभवहीन स्टाफ मरीजों का इलाज कर रहा है, जिससे कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है। प्रशासन द्वारा इन अवैध हॉस्पिटल पर कोई कार्यवाही नहीं की जाती। जानकार बताते है कि स्वास्थ्य विभाग की मिलीभगत से फर्जी अस्पताल और क्लिनिक संचालित हो रहे हैं। शहर की स्वास्थ्य व्यवस्था की इन तीन बड़ी कमियों लचर ग्रामीण स्वास्थ्य सुविधाएं, डॉक्टरों की कमी और महंगे निजी इलाज का फायदा सीधे तौर पर झोलाछाप डॉक्टरों को मिलता है। ऐसे में गांव, कस्बों या शहर के बाहरी इलाकों में बड़ी आबादी इनसे इलाज करा रही है क्योंकि, लोगों को इलाज के लिए यह सहज तौर पर उपलब्ध होते हैं और कम खर्च में इलाज करते हैं। हालाकि यहां पर आराम नहीं होने के बाद फिर अस्पतालों में पहुंचते हैं।

बिना जांच के देते हैं दवाइयां

क्षेत्र के झोलाछाप डॉक्टर मरीजों को बिना जांच के दवाइयां दे रहे हैं। जो मरीजों के लिए खतरनाक साबित हो सकती हैं। इन डॉक्टरों की ओर से अधिकतर एंटीबॉयटिक दवाइयां और इंजेक्शन दिए जाते हैं।

इनमें से कुछ दवाइयां और इंजेक्शन सामान्य बीमारियों वाले मरीजों में तो काम कर जाती है, लेकिन अधिकतर मामलों में मरीजों को इनका लाभ नहीं मिल पाता। ग्रामीण क्षेत्र में झोलाछाप डॉक्टरों की दवाइयों से मरीजों में होने संक्रमण के मामले भी पूर्व में सामने आ चुके हैं।

इनका कहना है

इसको लेकर टीम बनाकर जांच कराते हैं और झोलाछाप डॉक्टर के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। वहीं ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाएं बेहतर की जा रही हैं, जिससे मरीजों को सरकारी स्वास्थ्य केंद्रों में बेहतर इलाज मिल सके।

डॉ. एन एस गहलोत,
सीएमएचओ, धार

21 नवंबर को उज्जैन को मिलेगी बड़ी सौगात

बहुप्रतिक्षित इच्छा होगी पूरी,मेडिकल कॉलेज का होगा भूमि पूजन

इंदौर/जवाहर डोसी पीयूष। प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव आगामी 21 नवंबर को उज्जैन शहर की जनता को एक बड़ी और विशेष सौगात देने जा रहे हैं।मुख्यमंत्री डॉ.यादव के द्वारा गुरूवार 21 नवंबर को (मेडिसिटी) मेडिकल कॉलेज का भूमि पूजन किया जाएगा।शीघ्र ही उज्जैनवासियों की बहुप्रतिक्षित इच्छा पूर्ण होगी।

गौरतलब है कि काफी समय से उज्जैन में मेडिकल कॉलेज बनाए जाने की मांग की जा रही थी।मेडिकल कॉलेज के बनने के बाद उज्जैन की जनता को विशेष स्वास्थ्य सुविधाएँ प्राप्त होंगी,साथ ही जटिल स्वास्थ्य प्रक्रियाओं के लिए शहर की जनता को बड़े शहरों की ओर नहीं जाना होगा।

उल्लेखनीय है कि यह 600 बेड की आधुनिक बिल्डिंग होगी।इसमें जी+13 मंजिल होंगी तथा सभी अत्याधुनिक उपकरणों से यह लैस होगी। मेडिकल से संबंधित सभी आवश्यक सुविधाएँ यहां पर प्रदान की जाएगी और विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा रोगियों का इलाज किया जाएगा।

मेडिकल कॉलेज के बनने के बाद उज्जैन संभाग के आसपास के जिलों की जनता को इसका लाभ मिलेगा।इसमें टेली मेडिसिन की सुविधा से अंतर्राष्ट्रीय डॉक्टरों की सुविधा भी मिल सकेगी।इसमें आधुनिक स्वास्थ्य सुविधाओं के साथ-साथ आपात स्थिति में भी विशेष स्वास्थ्य सुविधाएँ 24 घण्टें उपलब्ध रहेंगी।

शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय का निर्माण जिला चिकित्सालय परिसर और संख्या राजे परिसर में पुराने भवनों को तोड़कर किया जाएगा।महाविद्यालय में 150 सीटों का 9 मंजिला कॉलेज भवन, 605 बिस्तरों का 10 मंजिला चिकित्सालय भवन के साथ संख्या राजे परिसर में बालक एवं बालिका छात्रावास,नर्स छात्रावास और रेसिडेंट डॉक्टर्स के लिए छात्रावास 3,13 मंजिला भवन और 2,10 मंजिला भवन का निर्माण किया जाना है।

इसमें कुल 1268 लोग निवास कर सकेंगे।दोनों परिसरों में आवागमन की दृष्टि से आगर रोड़ पर एक फुटओवर ब्रिज भी बनाया जाएगा। गौरतलब है कि परियोजना की प्रशासकीय स्वीकृति 592.33 करोड़ रूपये है और इसका निर्माण आगामी 36 माह में पूर्ण किया जाना है।

विदेशी संपत्ति, आय का खुलासा न करने पर 10 लाख का जुर्माना-आयकर विभाग

करदाता को अपने आईटीआर में विदेशी संपत्ति और आय का विवरण अनिवार्य रूप से भरना होगा

इंदौर। देश में आयकर विभाग ने करदाताओं को एक चेतावनी जारी की है कि अगर कोई व्यक्ति अपनी विदेश में स्थित संपत्ति या विदेशी आय का खुलासा नहीं करता है तो उसे कालाधन विरोधी कानून के तहत 10 लाख रुपये का जुर्माना भुगतना पड़ सकता है। विभाग ने अपने अनुपालन–सह–जागरूकता अभियान के तहत एक सार्वजनिक परामर्श जारी किया है जिसका मकसद है करदाता को समझाना कि वे इस वर्ष के आईटीआर में अपनी विदेशी संपत्ति और आय का विवरण दें।

कर विभाग की ओर से दी गई चेतावनी के अनुसार करदाता को अपने आईटीआर में विदेशी संपत्ति और आय का विवरण अनिवार्य रूप से भरना होगा, भले ही उनकी आय कम हो या विदेश से प्राप्त हो। अधिक जानकारी के लिए करदाताओं को अपने आईटीआर दाखिल करने की अंतिम तिथि 31 दिसंबर है। विभाग ने कहा है कि उन व्यक्तियों को सूचित किया जाएगा जिन्होंने पहले ही अपना आईटीआर दाखिल कर दिया है और उन्हें विदेशी संपत्ति या आय के बारे में जानकारी नहीं भरने की सुझाव दिया गया है। यदि कोई व्यक्ति उपरोक्त निर्देशों का पालन नहीं करता है तो उसे कर अधिरोपण अधिनियम, 2015 के तहत 10 लाख रुपये का जुर्माना भुगतना पड़ सकता है। इसलिए करदाताओं को सुझाव दिया जा रहा है कि वे अपने आईटीआर को समय पर और सही जानकारी के साथ भरें।

ब्लॉक के कारण दो ट्रेनें निरस्त

इंदौर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे बिलासपुर मंडल के शहडोल–न्यू कटनी जंक्शन स्टेशन के मध्य नौरोजाबाद रेलवे स्टेशन पर तीसरी लाइन की कनेक्टिविटी के लिए प्रस्तावित ब्लॉक के कारण रतलाम मंडल की दो ट्रेनों के दोनों दिशाओं में 9–9 फेरे निरस्त रहेगी। निरस्त ट्रेनों का विवरण निम्नानुसार है

1. 22 से 30 नवम्बर, 2024 तक बिलासपुर से चलने वाली गाड़ी संख्या 18234 बिलासपुर इंदौर एक्सप्रेस

2. 23 नवम्बर से 01 दिसम्बर, 2024 तक इंदौर से चलने वाली गाड़ी संख्या 18233 इंदौर बिलासपुर एक्सप्रेस

ट्रेनों के आगमन/प्रस्थान समय, ठहराव सहित अन्य अद्यतन जानकारियाँ रेल मदद ऐप, रेल मदद नम्बर 139 या www.enquiry.indianrail.gov.in की सहायता ले सकते हैं।

दिसंबर महीने में 17 दिन बंद रहेंगें बैंक

कुछ दिन पूरे देश के बैंकों के लिए होंगे, जबकि कुछ दिन सिर्फ कुछ राज्यों में ही बैंक बंद रहेंगे

इंदौर। दिसंबर महीने के आगामी त्योहारों और दिनों के कारण देश भर में बैंकों में आगामी छुट्टियों की तैयारी शुरू हो रही है। इस माह में कई महत्वपूर्ण दिन हैं जब बैंक बंद रहेंगे, जैसे कि 1 दिसंबर, जो विश्व एड्स दिवस है। इस दिन सभी बैंक बंद रहेंगे। दिसंबर में अन्य त्योहारों जैसे कि मानव अधिकार दिवस, यूनिसेफ का जन्मदिन, गुरु तेग बहादुर शहीदी दिवस, और क्रिसमस ईव भी मनाए जाएंगे।

इन त्योहारों और दिनों के मद्देनजर बैंकों में छुट्टियां होंगी, जिससे लोगों को वित्तीय कार्यों की व्यवस्था में कुछ विलंब हो सकता है। इसलिए सभी नागरिकों से अनुरोध है कि वे इन छुट्टियों के दौरान अपनी वित्तीय योजनाओं को संयंत्रित ढंग से संचालन करें और नियमित बैंक कार्यक्रम की जांच करें।

दिसंबर में बैंकों की छुट्टियां इस प्रकार हैं-

- 1 दिसंबर 2024- विश्व एड्स दिवस ङ्क सभी बैंक बंद रहेंगे।
- 3 दिसंबर 2024- सेंट फ्रांसिस जेवियर का पर्व गोवा में बैंक बंद रहेंगे।
- 8 दिसंबर 2024- रविवार सभी बैंकों की साप्ताहिक छुट्टी।
- 10 दिसंबर 2024- मानव अधिकार दिवस सभी बैंक बंद रहेंगे।
- 11 दिसंबर 2024- यूनिसेफ का जन्मदिन सभी बैंकों की छुट्टी।
- 14 दिसंबर 2024- दूसरा शनिवार ङ्क सभी बैंक बंद रहेंगे।
- 15 दिसंबर 2024- रविवार सभी बैंकों की साप्ताहिक छुट्टी।
- 18 दिसंबर 2024- गुरु घासीदास जयंती चंडीगढ़ में बैंक बंद रहेंगे।
- 19 दिसंबर 2024- गोवा मुक्ति दिवस गोवा में बैंक बंद रहेंगे।
- 22 दिसंबर 2024- रविवार ङ्क सभी बैंकों की साप्ताहिक छुट्टी।
- 24 दिसंबर 2024- गुरु तेग बहादुर शहीदी दिवस और क्रिसमस ईव मिजोरम, मेघालय, पंजाब, और चंडीगढ़ में बैंक बंद रहेंगे।
- 25 दिसंबर 2024- क्रिसमस सभी बैंकों की छुट्टी।
- 26 दिसंबर 2024- बॉक्सिंग डे और क्वंजा सभी बैंकों की छुट्टी।
- 28 दिसंबर 2024- चौथा शनिवार सभी बैंक बंद रहेंगे।
- 29 दिसंबर 2024- रविवार सभी बैंकों की साप्ताहिक छुट्टी।
- 30 दिसंबर 2024- तमु लोसर सिक्किम में बैंक बंद रहेंगे।
- 31 दिसंबर 2024- न्यू ईयर ईव मिजोरम में बैंक बंद रहेंगे।

तालाबों का सौंदर्यीकरण कर बनायेंगे पर्यटन स्थल-मुख्यमंत्री

नगरीय विकास विभाग ने सौंदर्यीकरण के लिये किये 104 करोड़ रुपये स्वीकृत

41 नगरीय निकायों के 48 तालाबों की योजना पर हो रहा है कार्य

इंदौर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश के नगरीय निकायों में मौजूद तालाबों का सौंदर्यीकरण किया जायेगा। उन्होंने कहा कि तालाबों को पर्यटन स्थलों के रूप में भी विकसित करेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव की मंशानुरूप नगरीय विकास एवं आवास विभाग नगरीय क्षेत्रों की झीलों एवं तालाबों के सौंदर्यीकरण के लिये संरक्षण एवं संवर्धन का कार्य कर रहा है। प्रदेश के 41 नगरीय निकायों में 48 तालाबों की योजनाओं पर 104 करोड़ 46 लाख रुपये की स्वीकृति प्रदान की जा चुकी है।

झीलों एवं तालाबों के सौंदर्यीकरण के साथ पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने के लिये चयनित झीलों एवं तालाबों के संरक्षण और सतही पेयजल स्रोत निर्मित होंगे।

अब तक 28 तालाबों के कार्य पूरे किये जा चुके हैं, शेष 20 तालाबों के कार्य प्रगति पर हैं। जल-संरक्षण और संवर्धन की यह योजनाएँ राज्य शासन के दिये जाने वाले अनुदान और निकाय के वित्तीय अंश से संचालित की जा रही हैं।

संरक्षण के प्रमुख कार्य

नगरीय निकायों ने जिन तालाबों और झीलों के संरक्षण के कार्य चयनित किये हैं, उनमें प्रमुख रूप से भूमि के कटाव को रोकने संबंधी कार्य, झीलों एवं तालाबों के आसपास बाउण्ड्री बनाना, सघन वृक्षारोपण, लॉन विकसित करना और सौंदर्यीकरण के लिये लैम्प तथा फव्वारों की स्थापना करना प्रमुख है।

इसी के साथ अपशिष्ट जल को रोकने, जल-शोधन के लिये रूट-झोन ट्रीटमेंट मैनेजमेंट और सीवर पाइप लाइन द्वारा अपशिष्ट जल को रोकने के लिये निकायों द्वारा ठोस प्रयास किये जा रहे हैं। ये सभी कार्य झीलों एवं तालाबों के किनारे से 100 मीटर की दूरी के अंदर ही प्रस्तावित किये गये हैं।

जिन नगरीय निकायों में यह कार्य स्वीकृत किये गये हैं, उनमें नगर निगम द्वारा कुल स्वीकृत राशि में 40 प्रतिशत, नगरपालिका द्वारा 25 प्रतिशत और नगर परिषद द्वारा 10 प्रतिशत की राशि वित्तीय अंशदान के रूप में दी जा रही है।

अगले 3 वर्षों में 50 करोड़ रुपये के कार्य प्रस्तावित

नगरीय विकास विभाग ने वर्ष 2025-26 से अगले 3 वर्षों में 50 करोड़ रुपये के और कार्य विभाग के बजट प्रावधान में किये जाने के लिये प्रस्तावित किये हैं।

पहली बार पर्दे पर दिखेगी आदिवासी लड़ाकों की वीरगाथा

'जंगल सत्याग्रह' पर शख्स ने बनाई फिल्म, जर्मनी के कलाकार ने भी निभाई भूमिका

इंदौर। मध्य प्रदेश के बैतूल से जंगल सत्याग्रह से शुरू हुआ था। 1930 में शुरू हुए जंगल सत्याग्रह में आदिवासी लड़ाकों की वीरगाथा अब पहली बार पर्दे पर दिखने वाली है। फिल्म को बैतूल के ही प्रदीप उइके ने बनाया है और इसके बनाने के पीछे एक दिलचस्प वजह है। दरअसल, फिल्म के निर्देशक प्रदीप उइके यूपीएससी की परीक्षा दे रहे थे। जिसमें जंगल सत्याग्रह से जुड़ा एक सवाल पूछा गया।

प्रदीप को इससे प्रेरणा मिली कि जब जंगल सत्याग्रह की घटना इतनी अहम है तो क्यों का इस पर फिल्म बनाई जाए। उसने साल 2021 में फिल्म बनाना शुरू किया था। आर्थिक कठिनाइयों के चलते कई लोगों ने पैसे उधार लिए और कई लोगों ने आर्थिक मदद भी की। जिसके चलते लगभग 1 करोड़ की लागत से फिल्म बनकर प्रदर्शन के लिए तैयार है।

बैतूल में फिल्म का प्रीमियर कराया जा रहा है। जिसके सभी शो फूल हॉउस हो चुके हैं। फिल्म में 1920 से 1942 तक का बैकड्रॉप दिखाया गया है। इस दौरान 1930 में महात्मा गांधी बैतूल आए थे। जिसके बाद जंगल सत्याग्रह की शुरुआत हुई थी। अंग्रेजी हुकूमत ने जंगल में मवेशी चराने और घास काटने पर रोक लगा दी थी। आदिवासियों ने जंगल में घास काटकर सत्याग्रह शुरू किया था। फिल्म में कुल 80 कलाकारों ने एक्टिंग किया है और जंगल सत्याग्रह के लगभग 15 आदिवासी नायकों की वीरता और बलिदान दिखाया गया है।

फिल्म में जर्मनी के कलाकार रुबेन वेसकोलेक ने भी एक्टिंग किया है। वहीं मुलताई के पूर्व कांग्रेस विधायक सुखदेव पांसे और भैंसदेही के पूर्व विधायक धर्मूसिंग सिरसाम ने भी अभिनय किया है। प्रदीप के मुताबिक, प्रीमियर के बाद फिल्म की थियेटर रिलीज और ओटीटी रिलीज के लिए भी प्रयास किए जा रहे हैं। कुछ वितरकों ने इसमें रुचि दिखाई है। फिल्म स्वतंत्रता संग्राम में आदिवासी नायकों और जनजातीय समुदाय के योगदान को बताने के मकसद से बनाई गई है।

मप्र के उत्पादों ने विदेशों में जमाई धाक

इंदौर। मप्र में उत्पादित समानों और अनाजों की मांग विदेशों में हो रही है। आलम यह है की 50 से अधिक देशों में पर अपने उत्पादों का निर्यात कर रहा है। इससे प्रदेश के उत्पादों की धाक विदेशों में जम रही है। हालांकि रूस-यूक्रेन युद्ध की वजह से पिछले पांच वर्ष से निर्यात में बढ़त बना रहा मप्र अन्य राज्यों की तुलना में इस बार पिछड़ गया है।

इसने मप्र सहित पूरे भारत का निर्यात प्रभावित किया है। मप्र से वित्तीय वर्ष 2023-24 में 65 हजार 255 करोड़ रुपए का सामान निर्यात हुआ है। वित्तीय वर्ष 2022-23 में 65 हजार 878 करोड़ रुपए का निर्यात हुआ था। इसी के साथ राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य में मध्य प्रदेश निर्यात में दो पायदान नीचे खिसककर 13वें से 15वें स्थान पर पहुंच गया है। हालांकि पिछले वर्ष की तुलना में मध्य प्रदेश से निर्यात में महज 0.02 प्रतिशत की ही कमी आई है।

वित्तीय वर्ष 2023-24 में भारत से कुल निर्यात 36.19 लाख करोड़ रुपये का हुआ। इस अवधि में मप्र ने 65 हजार 255 करोड़ रुपये का निर्यात कर देश में कुल निर्यात का 1.8 प्रतिशत योगदान किया। विगत पांच वर्षों में मध्य प्रदेश से सर्वाधिक फार्मा प्रोडक्ट्स का निर्यात किया गया है। इसके अलावा कपड़ा, अनाज, मशीनों, एल्युमीनियम और प्लास्टिक का निर्यात सर्वाधिक 10 उत्पादों में शामिल है। प्रदेश ने दो साल पहले निर्यात के नए लक्ष्य तय किए थे। वर्ष 2030 तक 4 लाख करोड़ के निर्यात तक पहुंचने का लक्ष्य रखा। लेकिन यह लक्ष्य अभी काफी पीछे है। वर्ष 2023-24 में प्रदेश से 65255 करोड़ रुपए के सामान भेजे गए। अब निर्यात में तेजी लाने के प्रयास होंगे। इसी कड़ी में एक जिला एक उत्पाद पर भी काम हुआ, उसमें भी अपेक्षाकृत सफलता नहीं मिली।

प्रदेश में पड़ेगी हाड़ कंपाने वाली ठंड!

पचमढ़ी समेत कई जिलों में सर्द हुआ मौसम

इंदौर। मध्य प्रदेश में हाड़ कंपाने वाली ठण्ड की शुरुआत हो चुकी है। राजधानी समेत टूरिस्ट प्लेस में भी कंपकंपी बढ़ गई है। वहीं रातें सर्द होने की वजह से कंबल और रजाई निकल गए हैं। मौसम विभाग के मुताबिक, उत्तर भारत में हवाएं कमजोर हो गई हैं। जिसका असर एमपी में नजर आ रहा है।

भोपाल वासियों को भी इस सर्द भरे मौसम से फिलहाल राहत नहीं है। यहां 12.6 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया है। इसके अलावा जबलपुर में भी रात का तापमान 13.8 डिग्री पर पहुंच गया है, जो सामान्य से 1.2 डिग्री सेल्सियस कम है। इंदौर, ग्वालियर और उज्जैन में तापमान 15 डिग्री या उससे ज्यादा दर्ज किया गया है।

20 नवंबर तक चलेगी शीतलहर

मौसम विभाग ने बताया कि प्रदेश के कई हिस्सों में 20 नवंबर तक शीतलहर चलेगी। भोपाल, इंदौर-जबलपुर में भी कड़ाके की ठंड पडने की संभावना है। जबकि पचमढ़ी-अमरकंटक सबसे ठंडे रहेंगे। साथ ही कोहरा भी नजर आएगा।

मंडला में 10.5 डिग्री सेल्सियस तापमान रिकार्ड दर्ज हुआ है। हिल स्टेशन पचमढ़ी सबसे ज्यादा ठंडा रहा। यहां न्यूनतम तापमान 7.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। प्रदेश में अधिकतर जिलों का तापमान रात में 10 से 15 डिग्री तक पहुंचा। भोपाल सहित प्रदेश के अधिकांश जिलों में दिन का तापमान 25 से 33 डिग्री के बीच दर्ज किया गया।

देपालपुर नगर को मिलेगी सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट की सौगात

देपालपुर। देपालपुर नगर, जो अब तक गंदे पानी की निकासी और प्रदूषण की गंभीर समस्याओं से जूझ रहा था, जल्द ही एक नई शुरुआत करने जा रहा है। नगर में 5.32 करोड़ रुपये की लागत से तीन आधुनिक सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट स्थापित किए जाएंगे। यह कदम नगरवासियों के जीवन को बेहतर बनाने और पर्यावरण को संरक्षित करने की दिशा में बड़ा बदलाव लेकर आएगा।

समस्या का इतिहास

देपालपुर नगर की सबसे बड़ी समस्या नालियों से निकलने वाला गंदा पानी था, जो आसपास के तालाबों और जलस्रोतों को प्रदूषित कर रहा था। गौतमपुरा रोड, छोटा तालाब, और बनेडिया रोड तालाब में नगर की नालियों का गंदा पानी बहकर पहुंच रहा था। इससे इन तालाबों में भारी मात्रा में जलकुंभी पनप गई थी और पानी का उपयोग असंभव हो गया था। बदबू और गंदगी के कारण नगरवासियों का जीना दूभर हो गया था।

देपालपुर प्रेस क्लब ने इस समस्या को बार-बार प्रमुखता से उठाया। समाचारों के माध्यम से नमामि गंगे प्रोजेक्ट और अन्य सरकारी योजनाओं के तहत सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट की मांग की गई। प्रेस क्लब के प्रयास और नगर परिषद की सक्रियता से इस समस्या का समाधान अब जल्द ही धरातल पर उतरने वाला है।

सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट की योजना

नगर परिषद ने नगर के तीन अलग-अलग स्थानों पर सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट स्थापित करने का प्रस्ताव रखा है-

1. सावेर रोड मुक्तिधाम के सामने
2. इन्दौर रोड पेट्रोल पम्प के पिछे
3. केसुर रोड 24 अवतार मंदिर के पिछे

ये प्लांट आधुनिक तकनीक से सुसज्जित होंगे और गंदे पानी को उपचारित करके पर्यावरण के अनुकूल बनाया जाएगा। इनकी स्थापना अमृत 2.0 योजना के तहत जल प्रबंधन उपयोगिता के अंतर्गत की जा रही है। प्लांट्स के लिए शासन के राजस्व विभाग से जमीन आवंटित करने की प्रक्रिया भी तेजी से चल रही है।

तकनीकी और पर्यावरणीय महत्व

सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट गंदे पानी को साफ करने में मदद करेंगे, जिससे तालाबों और जलस्रोतों में जलकुंभी की समस्या समाप्त होगी। यह केवल पर्यावरण को ही नहीं, बल्कि नगरवासियों के स्वास्थ्य को भी बेहतर बनाएगा।

जल शुद्धिकरण- इन प्लांट्स में गंदे पानी को उपचारित करके पुनः उपयोग योग्य बनाया जाएगा।

जल संरक्षण- तालाबों का प्रदूषण कम होगा और पानी का प्राकृतिक संतुलन बहाल होगा।

स्वच्छता- नगर में गंदगी और बदबू की समस्या समाप्त होगी।

नागरिकों के लिए बड़ी राहत

सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट के बनने से देपालपुर नगर में सफाई व्यवस्था में बड़ा सुधार आएगा। तालाबों का पानी साफ होगा, जिससे यह पर्यावरण के लिए लाभकारी साबित होगा। यह परियोजना नगर के आर्थिक और सामाजिक विकास को भी गति देगी। स्वच्छ जल स्रोतों के पुनर्जीवित होने से कृषि और स्थानीय उद्यमों को भी लाभ मिलेगा।

नगर विकास की ओर बढ़ते कदम

यह परियोजना न केवल एक योजना है, बल्कि देपालपुर नगर को एक नई दिशा में ले जाने का संकल्प है। इस योजना के पूरा होने के बाद देपालपुर का नाम स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण में अग्रणी स्थान पर आएगा। साथ ही, यह परियोजना अन्य छोटे नगरों के लिए एक प्रेरणा का स्रोत बनेगी।

देपालपुर नगरवासियों के लिए सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट की यह सौगात एक बड़ी राहत है। आने वाले समय में यह परियोजना नगर के विकास का प्रतीक बनेगी। अब बस नागरिकों को इसके शीघ्र निर्माण और सफल क्रियान्वयन का इंतजार है।

विश्व मधुमेह दिवस पर चीनी कम मिठास भरपूर रन-वॉक और स्वास्थ्य शिविर का सफल आयोजन

इंदौर। विश्व मधुमेह दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित चीनी कम मिठास भरपूर रन-वॉक और जागरूकता शिविर ने इंदौरवासियों को स्वस्थ जीवनशैली के प्रति जागरूक करने का सार्थक प्रयास किया। इस आयोजन का नेतृत्व जाने-माने मधुमेह रोग विशेषज्ञ डॉ. संदीप जुल्का ने किया, जो केयर सीएचएल अस्पताल, इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (IMA), और लायंस क्लब के सहयोग से सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ।

रैली में दिखा जोश और जागरूकता का संदेश

सुबह 6-45 बजे मंगल सिटी मॉल से शुरू हुई रन-वॉक का फ्लैग ऑफ भारतीय हॉकी टीम के कोच मीर रंजन नेगी, आईएमए के प्रेसिडेंट नरेंद्र पाटीदार और मेजर जनरल श्रीकांत नीमा ने किया। रैली में बीएसएफ जवान, एनसीसी कैडेट्स, डॉक्टर, और मधुमेह मरीजों ने भाग लिया। रैली मंगल सिटी मॉल से रेडिसन होटल और सत्य सांई चौराहा होते हुए वापस मंगल सिटी मॉल पर समाप्त हुई।

रैली के बाद, सुबह 10 बजे से दोपहर 1 बजे तक आयोजित स्वास्थ्य शिविर में टाइप 1 डायबिटीज से ग्रस्त बच्चों ने अपनी रचनात्मकता का प्रदर्शन करते हुए चित्रकारी प्रस्तुत की। साथ ही, विशेषज्ञ डॉक्टरों ने मधुमेह से बचाव और नियंत्रण के उपायों पर चर्चा की।

केयर सीएचएल के मधुमेह रोग विशेषज्ञ डॉ. संदीप जुल्का ने बताया, मधुमेह एक गंभीर लेकिन नियंत्रित बीमारी है। स्वस्थ जीवनशैली, सही खानपान और नियमित व्यायाम से इसे रोका जा सकता है। यह आयोजन न केवल मधुमेह रोगियों बल्कि आम जनता के लिए भी जागरूकता बढ़ाने का एक अनूठा प्रयास था।

चीनी कम मिठास भरपूर रन-वॉक और स्वास्थ्य शिविर ने यह संदेश दिया कि मधुमेह के साथ भी जीवन स्वस्थ और सुखद हो सकता है, बशर्ते हम अपनी जीवनशैली में सुधार करें। इस जागरूकता कार्यक्रम में भाग लेने वाले सभी सहयोगियों और प्रतिभागियों का आभार हम भविष्य में ऐसे और कार्यक्रम आयोजित करने का संकल्प लेते हैं।

मध्य प्रदेश से उत्पादों का निर्यात बढ़ा, अब अमेरिका-चीन भेजे जाएंगे उत्पाद

2023-24 में निर्यात बढ़कर 65,255 करोड़ रुपए पर पहुंचा

इंदौर। देश का फूड बास्केट कहलाने वाला प्रदेश जल्द ही दुनिया तक अपने उत्पादों की लंबी श्रृंखला पहुंचाएगा। पांच साल में मध्यप्रदेश से उत्पादों का निर्यात बढ़ा है। 2018-19 में जहां निर्यात 44,639 करोड़ का था। 2023-24 में यह बढ़कर 65,255 करोड़ रुपए पर पहुंच गया है, जिन देशों में वेज फूड की कमी है, वहां मध्य प्रदेश वेजफूड के लिए डिहाइड्रेट उत्पाद मुहैया कराता है।

अमरीका, चीन जैसे देशों तक मध्य प्रदेश से उत्पाद भेजे जा रहे हैं। इसे देखते हुए सरकार अब निर्यात में और कसावट लाने की तैयारी कर रही है। इसके तहत हर उत्पाद के निर्यात की कुंडली बनाई जाएगी। सभी उत्पादों के आंकड़े एक ही छत के नीचे रहेंगे। इससे जहां उत्पादों की पूरी श्रृंखला एक साथ नजर आएगी, वहीं निर्यात की निगरानी भी आसान से हो सकेगी। इतना ही नहीं किसी उत्पाद के निर्यात में समस्या आई तो समय रहते इसे दूर भी किया जाएगा। अभी खाद्य, उद्यानिकी, वाणिज्य सहित अन्य अलग-अलग निर्यात के आंकड़े विकेंद्रीकृत हैं।

मध्यप्रदेश ने दो साल पहले निर्यात के नए लक्ष्य तय किए थे। वर्ष 2030 तक चार लाख करोड़ के निर्यात तक पहुंचने का लक्ष्य रखा है लेकिन यह लक्ष्य अभी काफी पीछे है। 2023-24 में प्रदेश से 65255 करोड़ रुपए के सामान भेजे गए। अब निर्यात में तेजी लाने के प्रयास किए जाएंगे। इसी कड़ी में एक जिला एक उत्पाद पर भी काम किया गया, उसमें भी अपेक्षाकृत सफलता नहीं मिल सकी है।

संतुलित औद्योगिक विकास पर केंद्रित होगा कॉन्क्लेव, 7 दिसंबर को जुटेंगे देशभर के उद्योगपति

इंदौर। नर्मदापुरम में 7 दिसंबर को आयोजित में रीजनल इंडस्ट्रियल कॉन्क्लेव संतुलित औद्योगिक विकास पर केंद्रित होगा। इस क्षेत्र में मुख्य रूप से कृषि आधारित उद्योग, खाद्य प्र-संस्करण इकाइयां और सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग बहुतायत है। कृषि प्रसंस्करण, सोयाबीन तेल, मसाला उत्पादन और दुग्ध प्रसंस्करण जैसे उद्योग यहां की आर्थिक गतिविधियों का मुख्य आधार हैं।

नर्मदापुरम रीजनल इंडस्ट्रियल कॉन्क्लेव में कृषि, खाद्य प्रसंस्करण, खनिज, एमएसएमई और पर्यटन क्षेत्रों में निवेश के अवसरों पर चर्चा की जाएगी। यहां की प्राकृतिक खूबसूरती और सांस्कृतिक धरोहर को उद्योगों के साथ जोड़ा जाएगा। पचमढ़ी, जो न केवल एक प्रमुख पर्यटन स्थल है बल्कि यहां की अनूठी जैव विविधता और प्राकृतिक संसाधन, अब निवेशकों के लिये नया आकर्षण बनेंगा। नर्मदा नदी तट पर औद्योगिक और पर्यटन दोनों क्षेत्रों में विकास की अपार संभावनाएं हैं।

इस कॉन्क्लेव से कृषि, एमएसएमई, खाद्य प्रसंस्करण, पर्यटन और खनिज जैसे क्षेत्रों में निवेश के नए रास्ते खुलेंगे। बता दें कि नर्मदापुरम में 7 दिसंबर को रीजनल इन्वेस्टर्स समिट होगी। रीजनल इन्वेस्टर समिट को लेकर मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने कहा था कि आईटी, एमएसएमई, टूरिज्म से जुड़े उद्योग को बढ़ावा दिया जाएगा। बड़े, छोटे उद्योग लगाए जाएंगे।

COY19 के समापन समारोह में पंवार ने NAM यूथ ऑर्गनाइजेशन की अध्यक्ष लेयला हसनओवा से की मुलाकात

इंदौर। 19वां यूएन क्लाइमेट चेंज कॉन्फ्रेंस ऑफ यूथ (COY19) का समापन समारोह बाकू के जेडब्ल्यू मैरियट एबशेरॉन में आयोजित किया गया, जहां इंदौर के युवा नेता और सामाजिक कार्यकर्ता अभिषेक पंवार ने COP29 प्रेसीडेंसी यूथ क्लाइमेट चैंपियन और NAM (नॉन-अलाइंड मूवमेंट) यूथ ऑर्गनाइजेशन की अध्यक्ष, सुश्री लेयला हसनओवा से मुलाकात की। समापन समारोह के दौरान पंवार और सुश्री हसनओवा के बीच जलवायु परिवर्तन, युवा नेतृत्व और सतत विकास के विभिन्न मुद्दों पर चर्चा हुई। हसनओवा ने COY19 के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि यह कार्यक्रम युवाओं को एक मंच प्रदान करता है, जहां वे अपने विचार साझा कर सकते हैं और जलवायु कार्रवाई में अपनी भूमिका निभा सकते हैं।

हसनओवा ने NAM टीम की ओर से अभिषेक पंवार को उनके सतत विकास और जलवायु कार्रवाई में योगदान के लिए सराहना की। इस अवसर पर, दोनों नेताओं ने जलवायु संकट के समाधान में युवाओं की भूमिका पर विचार विमर्श किया और यह सुनिश्चित करने की प्रतिबद्धता जताई कि युवाओं की आवाज़ COP29 जैसे वैश्विक मंचों पर प्रभावी ढंग से सुनी जाए।

अभिषेक पंवार ने कहा, लेयला हसनओवा से मिलना और उनके अनुभवों को साझा करना एक सम्मानजनक क्षण था। हमने जलवायु परिवर्तन की चुनौती से निपटने में युवा नेतृत्व की भूमिका पर विस्तार से चर्चा की। इस तरह की बातचीत हमें एक स्थायी और हरित भविष्य की दिशा में और अधिक प्रभावी रूप से काम करने की प्रेरणा देती है। COY19 के इस समापन समारोह में युवाओं की आवाज़ और उनके विचारों को सशक्त करने का संदेश दिया गया, ताकि COP29 से पहले वैश्विक जलवायु कार्रवाई में उनकी भागीदारी सुनिश्चित की जा सके।

आपरेशन प्रहार के तहत तस्करी करने वालों पर प्रहार

थाना चंदन नगर ने आरोपी से 20 हजार का 3.194 किग्रा पकड़ा गांजा

इन्दौर। शहर में बढ़ते मादक पदार्थो की तस्कारी और गतिविधियों के चलते पुलिस ने भी अपना शिकंजा कसना शुरू कर दिया है। वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के निर्देशानुसार थाना चंदन नगर द्वारा चलाए जा रहे आपरेशन प्रहार में संदिग्ध दिखने वाले व्यक्ति की घेराबंदी कर पुलिस ने अशोक पिता राधेलाल कुर्मी को पकड़ा।

पुलिस को उसके पास 3.194 किलोग्राम अवैध मादक पदार्थ गांजा पकड़ा। इसकी कीमत 20,000 रूपये बताई जा रही है। पुलिस ने इसके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया है।

इंदौर शहर में अवैध मादक पदार्थों की तस्करी एवं उनकी गतिविधियों में संलिप्त बदमाशों के विरूद्ध प्रभावी कार्यवाही के निर्देश वरिष्ठ अधिकारियों व्दारा दिये गए है उक्त निर्देशों के अनुक्रम में कार्यवाही करते हुए पुलिस थाना चंदन नगर व्दारा अवैध मादक पदार्थ की तस्करी करने वाले एक तस्कर को पकड़ा गया है।

वरिष्ठ अधिकारियों के दिशानिर्देशन में थाना क्षेत्र में नशा बेचने, नशे का सेवन करने वालों की पतारसी एवं धरपकड़ हेतु सघन अभियान चलाया गया। इसी क्रम में दिनांक 16/11/2024 को विश्वसनीय तंत्र की सूचना प्राप्त हुई कि एक व्यक्ति भारी मात्रा में थैले में भरकर अवैध मादक पदार्थ गांजा सप्लाय करने आया है।

सूचना पर तत्काल पुलिस व्दारा दबिश दी गई तो बताये हुलिये का व्यक्ति दिखा जिसे पुलिस टीम व्दारा घेराबंदी कर पकड़ा जिससे पूछताछ में उसने अपना नाम अशोक पिता राधेलाल कुरमी पाटीदार उम्र 43 साल नि. अकोदिया डाक बंगला पीथमपुर जिला धार का होना बताया पुलिस व्दारा तलाशी में बदमाश के कब्जे से एक थैले में 3.194 किलोग्राम अवैध मादक पदार्थ गांजा कीमती लगभग 20,000 रूपये जिसे विधिवत जप्त किया गया गिरफ्तार आरोपी के विरूद्ध थाना चंदन नगर पर अप. क्रं. 1007/2024 धारा 8/20 एनडीपीएस एक्ट का पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। गिरफ्तार आरोपी से पुलिस टीम व्दारा मादक पदार्थों के श्रोत आदि के संबंध में पूछताछ की गई।

उक्त सराहनीय कार्य में निरीक्षक इन्द्रमणि पटेल थाना प्रभारी, उनि सेवना सिंह ओसारी, सउनि राजभान सिंह गौतम, प्र. आर. अभिषेक सिंह पंवार, आरक्षक जोगेश लश्करी, आर. सुनील की सराहनीय भूमिका रही।

सिकंदर का मुकद्दर में तमन्ना का डकैती ड्रामा

तमन्ना भाटिया अभिनीत बहुप्रतीक्षित फिल्म सिकंदर का मुकद्दर अपनी रिलीज के करीब पहुंच रही है। दर्शकों के बीच उत्साह बढ़ाने के लिए, निर्माताओं ने एक आकर्षक नए मोशन पोस्टर का अनावरण किया है, जो मनोरंजक कहानी की एक झलक पेश करता है। नेटफ्लिक्स ने अपने सोशल मीडिया पर फिल्म का मोशन पोस्टर इस कैप्शन के साथ जारी किया, इस झूठ के जाल से निकलना, हर किसी के मुकद्दर में नहीं ?? देखें सिकंदर का मुकद्दर, 29 नवंबर को, क` वल नेटफिलक्स पर! डकैती ड्रामा एक रोमांचक सफर का वादा करता है, जिसमें संदिग्धों का एक जाल है, जो 60 करोड़ रुपये के सॉलिटेयर हीरों की चोरी में अपनी बेगुनाही साबित करने का प्रयास कर रहे हैं।

टिया की जुगनी ने जीता दिल

टिया बाजपेयी अपने नवीनतम गीत %जुगनी% के लिए दिल जीत रही हैं। गीत को प्यार, पार्टी और बीट्स मिले हैं जो पहले कभी नहीं थे और निश्चित रूप से, इसमें वह सब कुछ है जो वास्तव में वर्ष के सर्वश्रेष्ठ गीत के रूप में लेबल किए जाने की आवश्यकता हैगीत के लिए प्यार और प्रशंसा के बारे में टिया कहती हैं कि जुगनी संगीत के क्षेत्र में कुछ वास्तविक विघटनकारी चीजें करने का एक प्रयास है और मैं इसके हर हिस्से को संजो रही हूं और इसका आनंद ले रही हूं।

डॉक्यूमेंट्री विवाद को लेकर धनुष पर भड़की नयनतारा

साउथ एक्ट्रेस नयनतारा ने डॉक्यूमेंट्री विवाद को लेकर धनुष को खरी-खरी सुनाई है। सोशल मीडिया पर एक नोट शेयर करते हुए एक्ट्रेस ने कहा, 'आप अपने पिता और भाई की बदौलत एक कामयाब एक्टर बने हैं, लेकिन फिल्म इंडस्ट्री में मेरा कोई गॉडफादर नहीं था। हालांकि, मैंने कभी नहीं सोचा था आप इतना नीचे गिए जाएंगे। दरअसल, यह मामला नयनतारा की लाइफ पर बेस्ड डॉक्यूमेंट्री %नयनतारा- बियॉन्ड द फेयरी टेल% से जुड़ा है। धनुष ने इस डॉक्यूमेंट्री में 3 सेकंड के विजुअल पर आपत्ति जताते हुए एक्ट्रेस को 10 करोड़ रुपये का लीगल नोटिस भेजा है। नयनतारा ने अपने ओपन लेटर में लिखा है, 'आप अपने पिता और भाई की बदौलत एक कामयाब एक्टर बने हैं, लेकिन फिल्म इंडस्ट्री में मेरा कोई गॉडफादर नहीं था, इसलिए मुझे संघर्ष करना पड़ा और आज फिल्म इंडस्ट्री में मैं अपनी बदौलत खड़ी हूं। मेरे फैंस मेरा काम जानते हैं और उन्हें मेरी डॉक्यूमेंट्री का इंतजार है, लेकिन आपके रवैये ने हमारे काम पर बड़ा असर डाला है। लेकिन इसका हर्जाना आपको भी भुगतना पड़ेगा।%

बॉलीवुड का 200 करोड़ क्लब: बॉक्स ऑफिस पर सफलता की नई परिभाषा गढ़ते सितारे

200 करोड़ का क्लब बॉलीवुड में बॉक्स-ऑफिस की सफलता का अंतिम प्रतीक बन गया है, जिसमें चुनिंदा सितारों का समूह लगातार रिकॉर्ड तोड़ रहा है और उद्योग में एक अग्रणी व्यक्ति होने का मतलब फिर से परिभाषित कर रहा है। रणवीर सिंह अपनी बेजोड़ बहुमुखी प्रतिभा और ऊर्जा का प्रदर्शन करते हुए पद्मावत, सिम्बा और गली बॉय जैसी फिल्मों के साथ एक पावरहाउस बन गए हैं। उनकी लगातार सफलता ने 200 करोड़ क्लब में उनकी जगह मजबूती से पक्की कर दी है।

रणबीर कपूर ने संजू के साथ रिकॉर्ड तोड़ दिया, और भारी भीड़ को आकर्षित करते हुए जटिल भूमिकाएं निभाने की अपनी क्षमता का प्रदर्शन किया। उनका आकर्षण और प्रतिभा उन्हें बॉलीवुड के टॉप सितारों में स्थान रखती है। अपनी ब्रेकआउट हिट उरी- द सर्जिकल स्ट्राइक के साथ विक्की कौशल ने क्लब में प्रवेश किया और खुद को उद्योग में एक बड़ी ताकत के रूप में स्थापित किया, जो अपने शक्तिशाली प्रदर्शन

और बहुमुखी प्रतिभा के लिए जाने जाते हैं।

200 करोड़ क्लब में प्रवेश करने वाले अपनी पीढ़ी के सबसे युवा और पहले टाइगर श्रॉफ, बागी 2, वॉर और सिंघम अगेन जैसी अपनी एक्शन से भरपूर हिट फिल्मों के साथ अपना दबदबा बनाए हुए हैं और बॉलीवुड के सबसे बड़े सितारों में से एक के रूप में अपनी जगह पक्की कर रहे हैं। भूल भुलैया 2 के साथ नवीनतम जुड़ाव वाले कार्तिक आर्यन ने बॉक्स-ऑफिस पर अपनी अपील साबित करते हुए और क्लब में अपनी जगह पक्की करते हुए, जल्दी ही अपना नाम बना लिया है।

ये अभिनेता बॉलीवुड के भविष्य को आकार दे रहे हैं, बॉक्स-ऑफिस पर सफलता के नए मानक स्थापित कर रहे हैं और साबित कर रहे हैं कि 200 करोड़ क्लब उनकी सिनेमाई यात्रा की शुरुआत है।

फिल्म बेबी जॉन होगी क्रिसमस पर रिलीज

बालीवुड फिल्म बेबी जॉन इस साल क्रिसमस पर रिलीज होने वाली है। मशहूर निर्देशक एटली की इस एक्शन-थ्रिलर फिल्म में वरुण धवन मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। वहीं कीर्ति सुरेश और वामिका गब्बी भी अहम किरदार निभा रही हैं। हाल ही में भूल भुलैया 3 और सिंघम अगेन रिलीज हुईं, तो उनके साथ ही बेबी जॉन का टीजर भी थिएटरों में दिखाया गया। टीजर को देख दर्शकों में फिल्म को लेकर खासा उत्साह है। फिल्म से जुड़ी एक बड़ी खबर हाल ही में सामने आई है। कई रिपोर्ट्स में दावा किया गया था कि बेबी जॉन में सुपरस्टार सलमान खान का एक शानदार कैमियो होगा, और अब खुद वरुण धवन ने इस खबर की पुष्टि कर दी है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर वरुण ने अपने फैंस के साथ बातचीत में यह जानकारी साझा की। एक फैन ने उनसे सलमान के कैमियो की लंबाई के बारे में पूछा, तो वरुण ने मजाकिया अंदाज में कहा, मिनट्स नहीं बताऊंगा, पर असर कई महीनों का रहेगा।

कैंपस बीट्स की वापसी की घोषणा

अमेज़न एमएक्स प्लेयर ने कैंपस बीट्स की वापसी की घोषणा करते हुए इसके बिल्कुल नए चैप्टर, कैंपस बीट्स रीबूट का ट्रेलर जारी किया है, जिसका दर्शकों को बेसब्री से इंतज़ार था! पहले तीन सीज़न को मिली अपार सफलता और दर्शकों के बेशुमार प्यार के बाद, यह सरप्राइज रीबूट यकीनन ड्रामा, रोमांस और जबरदस्त उत्साह से भरे डांस मूव्स को नई ऊँचाइयों पर ले जाने वाला है। दर्शकों की पसंदीदा स्ट्रीमिंग सर्विस की ओर से आज इस सीरीज़ का ट्रेलर जारी किया गया, जिसमें शांतनु माहेश्वरी और श्रुति सिन्हा के साथ-साथ सहज सिंह चहल, तन्वी गडकरी, हर्ष डिंगवानी, तान्या भूषण, धनश्री यादव, तेरिया मगर, अदनान खान, और रोहन पाल ने मुख्य किरदार निभाए हैं, जबकि मनस्वी वशिष्ठ, दीपांकना दास और मनीष कुक्कड़ इसमें पहली बार नज़र आने वाले हैं।

सही व्यक्ति मिलता है तो मुझे खुशी होगी

भारत में अगले 60 दिनों में करीब 48 लाख शादियों की उम्मीद के साथ शादी का मौसम पूरे जोश में है, अभिनेत्री देवांगना चौहान का मानना है कि यह एक बहुत बड़ा नंबर है! मुझे लगता है कि अगर आप सही साथी को पा लेते हैं, तो शादी करने से क्यों पीछे हटें? दरअसल, मुझे खुशी होगी अगर मुझे सही व्यक्ति मिलता है। कौन जानता है, शायद अगले शादी के मौसम तक हम मेरी शादी की बात कर रहे होंगे! , देवांगना ने समझाया, शादी एक ऐसा मिलन है जहां दो लोग और उनके परिवार एक साथ आते हैं और सब कुछ आपसी सहमति से तय करते हैं। सेलिब्रिटी अक्सर डेस्टिनेशन वेडिंग्स का चयन करते हैं, जिसमें सिर्फ करीबी दोस्त और परिवार होते हैं–50 से 100 लोग–ताकि वे अपने खास दिन का पूरी तरह से आनंद ले सकें।

दिल का दरवाजा खोल ना डार्लिंग

दिल का दरवाज़ा खोल ना डार्लिंग में ढेर सारी हंसी और पागलपन के साथ रोमांस की दुनिया में डूबने के लिए तैयार हो जाइए, जिसमें जया बच्चन जी, प्रतिभाशाली सिद्धांत चतुर्वेदी, वामीका गब्बी और स्वानंद किरकिरे जैसे कलाकार भी शामिल हैं। यह बहुत सारे प्यार के साथ थोड़ा पागल होने का समय है। गोवा में शूटिंग के अपने पहले चरण की शुरुआत करते हुए, यह फिल्म शानदार कलाकारों के साथ एक रोमांचक यात्रा का वादा करती है।टिप्स फिल्म्स लिमिटेड, बावेजा स्टूडियोज लिमिटेड और जंपिंग टोमैटो स्टूडियोज द्वारा प्रस्तुत, दिल का दरवाजा खोल ना डार्लिंग एक गुड कंपनी प्रोडक्शन है, जिसका निर्देशन विकास बहल ने किया है।

22 नवंबर को होगा वैक गर्ल्स का वर्ल्ड प्रीमियर

प्राइम वीडियो ने हाल ही में अपनी ओरिजिनल ड्रामा सीरीज़, वैक गर्ल्स के प्रीमियर की तारीख की घोषणा की। पद्मश्री पुरस्कार विजेता सूनी तारापोरेवाला ने सीरीज़ का निर्माण एवं निर्देशन किया है, इस सीरिज को उन्होंने सूनी, इयाना बातिवाला और रॉनी सेन ने साथ मिलकर लिखा है। कॉमेडी, ड्रामा, डांस और म्यूजिक से भरपूर सीरीज़ में मेखोला बोस, अनसुआ चौधरी, रिताशा राठौर, क्रिसन परेरा, प्रियम साहा, रूबी साह, अचिंत्य बोस जैसे बेहद होनहार और उभरते कलाकारों के साथ-साथ बरुन चंदा, लिलेट दुबे और स्वर्गीय नितेश पांडे जैसे दिग्गज कलाकारों ने अहम किरदार निभाए हैं।

राग दरबारी

पति है बड़ा उपयोगी जंतु

मुहूर्त निकाल कर हर एक गधे को घोड़े पर बिठाया जाता है और उसे सरे आम पति बनाया जाता है। भारतीय महिलाएं पत्नी बनकर पति इसलिए खरीदती है ताकि वे अपनी सारी गलतियों का दोष इस जंतु पर फेंक मारे। पतियों के बहुत सारे उपयोग हैं, जिन्हें खुर्रांट पत्नियां अक्सर उपयोग में लेती है।

1.सब्जी के थैले उठाने वाला- हर भारतीय पति का सबसे प्राथमिक और महत्वपूर्ण कार्य यही है। जब भी बाजार जाना हो, पत्नी का एक निहित सब्जी थैले उठाने वाला किरदार पक्का होता है।

2. फ्री का ड्राइवर- भारतीय पत्नियां पतियों का सबसे सस्ता और स्थायी ड्राइवर के रूप में उपयोग करती हैं। बाजार हो या रिश्तेदारों पति की कार और पति दोनों चल पड़ते हैं!

3. घर का मल्टी-पर्पज कामगार- घर में जब भी छोटा-बड़ा काम हो (जैसे नल ठीक करना, बल्ब बदलना, फ्रिज साफ करना, वाशिंग मशीन धोना, बिजली ठीक करना) पति का उपयोग एक कामगार मिस्त्री के रूप में बखूबी होता है। पत्नी की खुशामद के लिए वह बिना बोले, आरी-हथौड़ा, पाना-पेचकस उठाकर अपना हुनर आजमाता ही है। घर के सभी छोटे-मोटे मरम्मत कार्य, जैसे दीवार पर पेंट करना, परदे टांगना आदि पति की सूची में होते हैं।

4. फ़्री का मूवी पार्टनर- फिल्म देखने का मन हो या किसी शो में जाना हो, पति सबसे अच्छा और सबसे कम शिकायत करने वाला पार्टनर साबित होता है। ठंडा, समोसा, पॉपकॉर्न आदि का खर्च भी वही उठाते हैं।

5. डमी बॉयफ्रेंड का रोल- शादी के बाद भी जब किसी सहेली को जलाना हो, तो पति को बॉयफ्रेंड की तरह तैयार करवाना और सहेली को दिखाना एक निहित कला है। भले ही पति सजने-संवरने में माहिर न हों, फिर भी पत्नी के आदेश पर मूक सहमति दे देते हैं।

6. शांति अभियान का दूत- पत्नी जब गुस्से में होती है (जो कि अक्सर होती ही है), तब पति उसे शांत करने के लिए मुर्गा बनाकर हर संभव प्रयास करता है। प्रायः सभी प्रकार की गलतियां अच्छा पति स्वयं अपने ऊपर ले लेता है।

7. रेगुलर चायवाला- चाय बनाने का काम भले ही पति की स्पेशलिटी न हो, पर रेगुलर चाय बनाने में उसकी कुशलता की पत्नियां कद्र करती है।

8. रात के सभी कीड़े भगाने वाले योद्धा- पत्नी को मच्छर, छिपकली या किसी भी अन्य कीड़े से डर लगता है, तो पतियों का नाइट वॉचमैन बन जाना सुनिश्चित है। पत्नी को चैन से सोने के लिए हर रात पति से सुरक्षा सेवाएं ली जाती हैं।

9. मालिश विशेषज्ञ- पत्नी का हाथ-पैर दर्द हो या थकान हो, पति तुरंत मालिश विशेषज्ञ बन जाते हैं। पति होने का अर्थ ही है कि वह मसाज की कला में उस्ताद हो।

10. बच्चों का होमवर्क असिस्टेंट- बच्चों का होमवर्क पूरा करने में पतियों का उपयोग पूरी तरह किया जाता है। गणित, विज्ञान, इतिहास, सभी विषयों में पति को उस्ताद बनना पड़ता है।

11. पत्नी का मूड इंडिकेटर- पत्नी का मूड अच्छा है या बुरा, इस समय पति देवता मरी बिल्ली के समान मुर्दा होकर हाथ जोड़े खड़ा रहता है।

12. जागरण अलार्म- जल्दी उठाने के लिए पति से बेहतर अलार्म कुछ नहीं हो सकता। पत्नियां उनके कान के पास चाय बना दो कहकर अलार्म को सक्रिय कर देती हैं।

13. कपड़े धोने में उस्ताद- प्राय- पति लोग समय पर कपड़े धोने का कार्यक्रम बड़ी जिम्मेदारी से निभाते हैं। फिर उन्हें प्रेस करके ही खुद चाय बनाकर पीते हैं।

14. समझदार गधा- यात्रा, शॉपिंग, फंक्शन आदि के दौरान पति लोग पत्नियों का बैग, बच्चे और सामान उठाया करते हैं। घाघ पति बच्चों को कंधे और गोदी में लिए घूमता रहता है।

रामविलास जांगिड़,18, उत्तम नगर, घूघरा, अजमेर (305023) राजस्थान

कटाक्ष

चुनावी पर्व

आजकल छुटभैया नेताओं में
तब आ जाता है गर्व
जब आता है चुनावी पर्व
उनकी पूछ परख बढ़ जाती हैं
खाने लगते हैं भाव
मगर गरज मंद नेता
तब बदल लेते स्वभाव

खुली छूट

आजादी के नाम पर
नेता, मंत्रियों अधिकारियों को
पूरी की पूरी छूट हैं
इसलिए तो इस नाम पर
मचा रखी खुली लूट हैं

पिटारा

जब जब भी चुनाव आता हैं
तथा कथित घोषणाओं का
वे नया पिटारा खोलते हैं
इससे ग़रीबों को सदा
सत्ता की
तराजू में तोलते हैं

पाला बदलना

अवसर देखकर
पाला बदलने में
नेता करते नहीं ज़रा भी देर
इस तरह कर लेते दूर
घर का सारा अंधेर

सेहत

नेता, मंत्री, अधिकारी मिलकर
शासन की हर योजना का
खाकर चूना लगाते हैं
इससे अपनी सेहत अच्छी पाते हैं

रमेश मनोहरा
शीतला माता गली जावरा (म.प्र.)
457226, जिला रतलाम
मो. 9479662215

सेठजी की 93वी जयंती विशेष

राजनीति सुचिता के शेर सुरेश सेठजी

इंदौर की राजनीती को शुद्धता, सुन्दरता और शुचिता देने वाले स्व. श्री सुरेश सेठ जी का जीवन जीवटता, जिन्दादिल्ली और सेवा भाव से भरा हुआ था सेठजी का मेरा परिचय 60 वर्ष पुराना है जब मेरी उम्र 10 वर्ष की थी हम बच्चो ने मिलकर इंदौर शहर में बच्चो की बाल समिति बनाई थी बच्चो का सम्मेलन बाज़ार खाना चौक में कराया था, वहा श्री सेठ जी ने हमारे बीच आकर जो सेवा भाव की भावना हम बच्चो में जागृत की थी वो आज तक चैतन्य है, सेठजी मेरे पिताजी स्व. राम निरंजन जी साबू के परम मित्र थे।

सेठ जी साबू जी की जोड़ी ने उज्जैन से प्रकाश चन्द्र सेठी को इंदौर लाकर कांग्रेस के चुनाव चिन्ह गाय बछड़े चुनाव चिन्ह से चुनाव लड़ाकार विजय श्री दिलाई थी स्व. सेठजी साबू जी इंदिरा जी के कट्टर समर्थक थे सेठ जी महापौर के रूप में इंदौर को अँधेरे से निजात दिलाकर शहर को जग मगाया था, सेठ जी ने नगरीय प्रशाशन मंत्री के रूप में प्रदेश का सुमुचित विकास किया था, जब इंदौर की शान राजवाडा के बिकने की नौबत आई तब सेठ जी चट्टान बनकर सामने आये और राजवाडा को बचाया था !

सेठ जी सरल सौभ्य, सादगी भरा जीवन जीने वाले वो नेता थे जिन्हें हर वर्ग / हर धर्म हर इंसान जी भरकर प्यार और सम्मान देता था इंदिराजी तक उन्हें सुरेश जी कहकर सम्मान देती थी ! आज जब नेता गण उपर से नीचे तक भ्रष्टाचार के दल दल में डूबे है वही सेठ जी राजनैतिक शुचिता के प्रतिक / बेदाग / दबंग नेता थे जिन्होंने राजनीति को सदा सेवा का मिशन बनाया था !ऐसे सेठ जी जयंती पर नमन भावपूर्ण श्रद्धांजलि !

सेठजी की जयंती 18 नवम्बर प्रेरणा दिवस के रूप मे मनेगी

इंदौर। 18 नवम्बर को प्रदेश के पूर्व मंत्री, समाजसेवी, इंदौर समाचार के पितृ पुरुष सेठजी की जयंती प्रेरणा दिवस के रूप में विविध रचनात्मक कार्यक्रमों के साथ अंतरराष्ट्रीय माहेश्वरी मैत्रीमंच, सांई प्रचार मिशन द्वारा मनाई जाएगी। सांई प्रचार मिशन द्वारा स्मृति द्वार सुदामानगर पर 18 नवम्बर सुबह 9 बजे स्व. सुरेश सेठजी की जयंती पर सर्वधर्म प्रार्थना सभा, सांई भक्त कमल साबू की अगुवाई में होगी।

शिक्षा नायक संपादक बाबूभाई पंवार के नेतृत्व में सांवेर रोड पर श्रीमती गीता सोनी के नेतृत्व में एरोड्रम रोड पर साहित्यकार नयन राठी के नेतृत्व में उदापुरा, सांठा बाजार, गुमाश्तानगर में आशीष गट्टानी के नेतृत्व में, सुदामानगर में नवीन चकोर के नेतृत्व में, मालवा मिल क्षेत्र में मनोहर दरबार के नेतृत्व में, जिंसी क्षेत्र में राजेंद्र भावसार के नेतृत्व में, राजबाड़ा पर अन्ना भैया के नेतृत्व में कलेक्टोरेट क्षेत्र में पवनकुमारजी के नेतृत्व में, राजमोहल्ला में सत्यनारायण शर्मा के नेतृत्व में, सियागंज में सिकन्दर शर्मा के नेतृत्व में, उषानगर में प्रकाश महावर के नेतृत्व में धार्मिक पुस्तकों का निःशुल्क वितरण किया जावेगा। निःशुल्क पुस्तक सांई प्रचार मिशन कार्यालय 1079 सुदामानगर पर सुबह 8 से 10 में भी प्राप्त की जा सकेगी।

सच्चे नायक थे सेठजी

इंदौर। इंदौर समाचार के पितृपुरुष स्व. श्री सुरेश सेठजी सच्चे जननायक, सेवाभावी, गरीबों के मसीहा थे। विधायक, महापौर, मंत्री कोई भी पद उन्हें सेवा करने से रोक नहीं पाया था। उन्होंने जीवनभर मजदूरों, गरीबों, वंचितों के हक के लिए लड़ाई जिंदा दिली से लड़ी थी। जब वो स्कूटर के पीछे बैठकर जनसम्पर्क करते थे, तो हर कोई उन्हें दिल की बात बताकर बेफिक्र हो जाता था कि अब ये समस्या समस्या नहीं रहेगी, क्योंकि सेठजी को दिल का दर्द बता दिया है। अब वो सेठजी हल कर देंगे। इतना विश्वास, प्रेम इतनी श्रद्धा इंदौर में मैंने किसी नेता के प्रति नहीं देखी। सेठजी के सुपुत्र विवेक सेठ जरूर है, परन्तु इंदौर नगरी में उन्होंने जिसके कंधे पर हाथ रखकर बेटा या मायडीयर कर दिया, वो उन्हें अपना पिता या पितातुल्य मानकर पूजता था। मैंने अपने जीवनकाल में सेठजी जैसा सुझबुझ वाला समझदार, जिम्मेदार, ईमानदार, जननायक नहीं देखा। उन्हीकी जयंती 18 नवम्बर को प्रेरणा दिवस पर उनको प्रणाम।

सेठजी ने महाप्रयाण के पूर्व पहली बार जन्मदिवस मनाया था

इंदौर 18नवम्बर का वह दिन मुझे याद है, जब इंदौर समाचार परिसर में हमारे बाबूजी सुरेश सेठजी का जन्मदिवस पहली बार मनाया गया था। उस दिन इंदौर समाचार परिसर में सेठजी के चाहने वालों की भीड़ उमड़ गई थी। मैं भी बहन अर्चना जायसवालजी के साथ बाबूजी को बधाई दे रहा था। प्रमोद टंडन हो, कृपाशंकर शुक्ला हो, पत्रकारों का समूह हो, कांग्रेस सेवादल के लोग हो, पक्ष विपक्ष के सारे राजनेता हो, बुजुर्ग, महिलाएं, युवा सभी बाबूजी से मिलने को आतुर थे।

लगभग 3/4 घंटे चले समारोह में पूरा शहर उमड़ गया था। बड़ी मुश्किल से उन्होने जीवन में पहली बार अपना जन्मदिन मनाने की स्वीकृति दी थी। उस जन्मदिन के बाद 22 फरवरी को वे महाप्रयाण कर गये थे। बाबूजी के कार्य उनकी यादें, उन्हों व्यवहार, सदा हम लोगों के दिलों में जिंदा रहेंगे। बाबूजी की जयंती 18 नवम्बर पर उन्हें श्रद्धापूर्वक याद करते हैं।

इंदौर समाचार परिसर में पुष्पांजलि कार्यक्रम 18 नवम्बर को होगा

इंदौर। जननेता, पूर्व मंत्री श्री सुरेश सेठजी की 93वीं जयंती पर शाम 5 बजे इंदौर समाचार परिसर 17 न्यू देवास रोड मालवामिल क्षेत्र में पुष्पांजलि कार्यक्रम होगा, जिसमें स्व. श्री सुरेशजी सेठ को कलम के सिपाही, कवि, लेखक, पत्रकार, साहित्यकार, बुद्धिजीवी, पुष्पांजलि अर्पित करेंगे। कार्यक्रम संयोजक सांई भक्त कमल साबू, साहित्यकार नयन राठी ने बताया है कि 18 नवम्बर सोमवार शाम 5 बजे कार्यक्रम प्रारंभ होकर सेठजी के प्रति शहर के सभी वर्ग के लोग कृतज्ञता ज्ञापन कर प्रेरणा दिवस के रूप में उन्हीं का जन्मदिवस मनाएंगे।

कांग्रेस से भाजपा में आए नेताओं की आसान नहीं राह

पद और प्रतिष्ठा के लिए नेताओं को करना होगा लंबा इंतजार

इंदौर। कांग्रेस छोडक़र भाजपा में आए नेताओं की राह अब मप्र में आसान नहीं दिख रही। लोकसभा चुनाव के दौरान कांग्रेस छोडक़र भाजपा में आए रामनिवास रावत को तो मंत्री पद मिल गया लेकिन छिंदवाड़ा के अमरवाड़ा से विधायक कमलेश शाह मंत्री नहीं बन पाए। अकेले शाह ही नहीं बल्कि इनमें पूर्व केंद्रीय मंत्री सुरेश पचौरी से लेकर कमल नाथ का दाहिना हाथ कहे जाने वाले दीपक सक्सेना, पूर्व सांसद गजेंद्र सिंह राजूखेड़ी सहित सैकड़ों नेता ऐसे हैं जो बड़ी उम्मीद के साथ कांग्रेस छोड़ भाजपा में आए थे, लेकिन फिलहाल उनकी मंशा पर पानी फिर रहा है।

हालांकि केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया के साथ जो नेता भाजपा में आए थे उन्हें पूरा मान-सम्मान, पद और प्रतिष्ठा मिला है।गौरतलब है कि मप्र में पिछले चार वर्ष से दल-बदल का खेल जमकर खेला रहा है। इस वजह से राजनीतिक दलों का परिदृश्य ही बदल गया है। विधानसभा चुनाव में भाजपा ने कांग्रेस से आए सात नेताओं मोहन सिंह राठौर, ब्रजबिहारी पटेरिया, राजेश शुक्ला, सिद्धार्थ तिवारी, सचिन बिरला, छाया मोरे और कामाख्या प्रताप सिंह को टिकट दिया। सभी ने जीत हासिल की और विधायक बन गए। लोकसभा चुनाव के पहले भी कांग्रेस में भगदड़ की स्थिति बनी रही। भाजपा की न्यू ज्वाइनिंग टोली के प्रदेश संयोजक डॉ. नरोत्तम मिश्रा ने कांग्रेस के पूर्व सांसद, पूर्व विधायक, प्रदेश व जिला पदाधिकारियों की बड़ी संख्या में भाजपा में ज्वाइनिंग कराई। हालांकि इनमें से अधिकांश को सदस्यता के अलावा कुछ खास नहीं मिला है।

मोहन कैबिनेट में सिंधिया समर्थकों का अच्छा प्रभाव

पूर्व मुख्यमंत्री स्व. कैलाश जोशी के बेटे और पूर्व मंत्री दीपक जोशी की भाजपा में वापसी के बाद अब दल-बदल फिर चर्चा में है। वर्ष 2020 में कांग्रेस के दिग्गज नेता रहे ज्योतिरादित्य सिंधिया के साथ जितने नेताओं ने पार्टी छोडक़र भाजपा का दामन थामा था, उन सभी की अब तक बल्ले-बल्ले है। शिवराज सिंह से लेकर मोहन कैबिनेट तक में उनका अच्छा प्रभाव है। कांग्रेस से आए नेताओं का डॉ. मोहन यादव की कैबिनेट में भी दबदबा है। इनमें इंदौर से तुलसी सिलावट जल संसाधन मंत्री हैं। ग्वालियर से प्रद्युम्न सिंह तोमर ऊर्जा मंत्री हैं। सागर जिले से गोविंद सिंह राजपूत खाद्य नागरिक आपूर्ति उपभोक्ता संरक्षण मंत्री है। मुरैना से एदल सिंह कंषाना कृषि मंत्री है। कंषाना को छोडक़र बाकी सभी तत्कालीन शिवराज सरकार में भी मंत्री रहे हैं। इनके अलावा छह बार के कांग्रेस विधायक रामनिवास रावत को वन एवं पर्यावरण मंत्री बनाया गया है। वहीं, उदय प्रताप सिंह भी कांग्रेस छोड़ भाजपा में आए थे। अब मोहन कैबिनेट में परिवहन एवं स्कूल शिक्षा मंत्री हैं। कैबिनेट में अभी तीन पद खाली हैं। वहीं, विधानसभा चुनाव 2023 और लोकसभा चुनाव में बड़ी संख्या में कांग्रेस छोडक़र जो लोग भाजपा में शामिल हुए, उनमें से ज्यादातर की हताशा बढ़ती जा रही है।

मंत्री दर्जा की आस

भाजपा के सूत्र बताते हैं कि सरकार में राजनीतिक नियुक्तियों को लेकर सूची तैयार तो हो गई थी, लेकिन अब माना जा रहा है कि पार्टी के संगठन चुनाव के बाद ही उन्हें मंत्री दर्जा मिल पाएगा। भाजपा में शामिल हुए पूर्व केंद्रीय मंत्री सुरेश पचौरी के बारे में सूत्र बताते हैं कि उन्हें ज्योतिरादित्य सिंधिया के सांसद चुने जाने के बाद रिक्त होने वाली राज्यसभा की सीट देने का आश्वासन दिया गया था लेकिन हुआ कुछ और। सुरेश पचौरी का कद कांग्रेस में राष्ट्रीय स्तर के नेताओं के बराबर था। वह लंबे समय तक राज्यसभा सदस्य भी रहे। दिल्ली की राजनीति में उनकी मजबूत पकड़ रही है लेकिन जब से भाजपा में आए हाशिए पर ही हैं। इसी तरह दीपक सक्सेना को भी भाजपा नेताओं ने निगम-मंडल में नियुक्ति का भरोसा दिलाया था, पर उन्हें भी कुछ नहीं मिला। कांग्रेस विधायक रहे कमलेश शाह को भी मंत्री बनाने का वादा किया था, लेकिन वह केवल विधायक बन पाए। गौरतलब है कि मार्च 2024 तक पूर्व केंद्रीय मंत्री सुरेश पचौरी सहित 6 पूर्व विधायक, 1 महापौर, 205 पार्षद-सरपंच और 500 पूर्व जनप्रतिनिधियों सहित 17 हजार कांग्रेसियों ने भाजपा जॉइन की। अप्रैल में टोली के संयोजक डॉ. नरोत्तम मिश्रा ने दावा किया था कि एक ही दिन में 1 लाख लोगों ने पार्टी जॉइन की। इनमें 90 फीसदी नेता कांग्रेस पार्टी से आए।

विधानसभा सत्र में तय होगा निर्मला सप्रे का भविष्य

इंदौर। मध्यप्रदेश की सियासत में एक महिला इन दिनों सवाल बनकर रह गई है। महिला ने चुनाव तो कांग्रेस के टिकट पर लड़ा था और विधायक बनी, लेकिन वे भाजपा के कार्यक्रमों और भाजपा नेताओं के साथ दिखाई देती है। नेताओं को समझ नहीं आ रहा कि आखिर वो महिला विधायक किस दल की है? हम बात कर रहे है बीना विधानसभा से कांग्रेस विधायक निर्मला सप्रे की। निर्मला सप्रे ने अबतक विधानसभा की सदस्यता से इस्तीफा नहीं दिया है। वही कांग्रेस दल बदल कानून के तहत उनके खिलाफ कार्रवाई की मांग कर रही है। दरसअल, 16 दिसंबर से मध्यप्रदेश विधानसभा का शीतकालीन सत्र शुरू होने वाला है। ऐसे में माना जा रहा है कि सत्र के दौरान निर्मला सप्रे के राजनैतिक भविष्य का फैसला किया जा सकता है। निर्मला सप्रे को लेकर अंतिम फैसला विधानसभा अध्यक्ष को लेना है, लेकिन यह जरूर तय है कि अगर 16 दिसंबर से पहले निर्मला सप्रे को लेकर कोई फैसला नहीं लिया गया तो सत्र में उनके लिए अलग से बैठने की व्यवस्था की जाएगी।

निर्मला पर आरोप-निर्मला सप्रे ने साल 2023 में कांग्रेस के टिकट पर बीना सीट से चुनाव लड़ा था और चुनाव जीत गई थी, लेकिन निर्मला सप्रे ने बीते लोकसभा चुनाव के दौरान सागर जिले के राहतगढ़ में सीएम मोहन यादव की एक सभा के दौरान भाजपा में शामिल हो गई थी। निर्मला सप्रे भाजपा में तो शामिल हो गई, लेकिन उन्होंने विधानसभा सदस्यता से इस्तीफा नहीं दिया, जबकि वे भाजपा के कार्यक्रमों और भाजपा नेताओं के साथ नजर आई। कांग्रेस का आरोप है कि जब उन्होंने दल बदल कर लिया है तो उनको इस्तीफा दे देना चाहिए, उनके खिलाफ दल बदल कानून के तहत कार्रवाई होना चाहिए।

सिंघार कर चुके शिकायत- निर्मला सप्रे के खिलाफ दल बदल की कार्रवाई को लेकर विधानसभा नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार विधानसभा अध्यक्ष को पत्र लिख चुके है।

सिंघार ने पत्र के साथ निर्मला सप्रे के भाजपा कार्यक्रमों में जाने के फोटो और वीडियो भी दिए है। सिंघार ने कहा है कि निर्मला सप्रे भाजपा में शामिल हो गई है। उनके खिलाफ दल बदल तहत कार्रवाई होना चाहिए।

प्रकाशक, मुद्रक, स्वत्वाधारी एवं प्रधान संपादक सुनील वर्मा के लिए डीबी कार्प प्रॉ.लि. प्रेस, 44-46/ए, सेक्टर - एफ , इंडस्ट्रीयल एरिया, सांवेर रोड, इन्दौर से मुद्रित तथा 1/4, परदेशीपुरा, इन्दौर (म.प्र.) सभी विवादों का न्याय क्षेत्र इन्दौर रहेगा। * मो.: 9425491979, E-mail: janbhavana.ind@gmail.com